मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 15 जुलाई 2025

संवत 2082, श्रावण कृष्ण पांच संवत मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 311 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ बिहार चुनाव में होगी मध्य प्रदेश के निषादराज सम्मेलन की गूंज

सलमान खान ने किया खुलासा ◂◂ 6

लातेहार में जेजेएमपी सबजोनल कमांडर लवलेश गंझू ने किया सरेंडर, पुलिस ने दिया 5 लाख रुपये का चेक

संवाददाता

लातेहार : लातेहार से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां जेजेएमपी के सबजोनल कमांडर और पांच लाख रुपए के इनामी नक्सली लवलेश गंझू ने सरेंडर किया है। जानकारी के अनुसार, जेजेएमपी के सबजोनल कमांडर लवलेश गंझू ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में राज्य सरकार की आत्म समर्पण नीति नई दिशा के तहत सरेंडर कर दिया है।

कई मामलों में आरोपी है लवलेश : बताया जा रहा है कि लवलेश ने आईजी सुनील भास्कर, एसपी कुमार गौरव, एसएसबी 32 बटालियन के कमाडेंट राजेश सिंह और सीआरपीएफ 11 बटालियन के कमांडेट यादराम बुनकर के सामने आत्मसमर्पण किया है। लवलेश गंझू पर अलग-अलग थाना में कुल 50 मामले दर्ज हैं।

केंद्र सरकार का लक्ष्य-उग्रवाद और नक्सल मुक्त झारखंड : इस संबंध में आईजी भास्कर ने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि मार्च 2026 तक झारखंड को उग्रवाद और नक्सल मुक्त कर देना है। इसी लक्ष्य को लेकर पुलिस काम कर रही है। उन्होंने कहा कि लातेहार जिला से उग्रवाद और नक्सलवाद लगभग अंतिम स्टेज पर है। जो उग्रवादी या नक्सली बचे हैं या तो सरेंडर कर दें अन्यथा पुलिस उन्हें मुहतोड़ जवाब देने के लिए लगातार अभियान चला रही है। उन्होंने बताया कि लवलेश गंझू कई अपराधिक घटनाओं में शामिल रहा है।

मालूम हो कि आत्मसमर्पण करने के दौरान लवलेश की पत्नी और उसके बच्चे भी मौजूद रहे। सरेंडर करने के बाद लवलेश ने कहा कि जेल से निकलने के बाद मेहनत और मजदूरी कर जीवन यापन करेंगे। अपने बच्चों को अच्छी तालिम देंगे।

लवलेश को मिला 5 लाख का चेक : मालूम हो कि आत्मसमर्पण करने के दौरान लवलेश की पत्नी और उसके बच्चे भी मौजूद रहे। सरेंडर करने के बाद लवलेश ने कहा कि जेल से निकलने के बाद मेहनत और मजदूरी कर जीवन यापन करेंगे। अपने बच्चों को अच्छी तालिम देंगे। ताकि वे आगे चलकर एक कामयाब इंसान बन सके। मौके पर पुलिस ने लवलेश गंझू को पांच लाख रुपए का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया।

बासुकीनाथ धाम में कांवरिया रूट लाइन का टूटा पंडाल, कई श्रद्धालु घायल

संवाददाता

दुमका: बासुकीनाथ श्रावणी मेला क्षेत्र में एक हादसा सामने आया है। दर्शनियाटिकर से शिवगंगा घाट जाने वाले रास्ते में कांवरिया रूट लाइन का शेड अचानक टूटकर गिर गया। जिससे कई कांवरिया घायल हो गए हैं। घटना के बाद घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

दरअसल, बासुकीनाथ धाम में कांवरियों को धूप और बारिश से बचाने के लिए पंडाल बनाया गया है। मंगलवार को कांवरिया मंदिर में प्रवेश के लिए रूट लाइन में जा रहे थे। इसी दौरान रूट लाइन में बनाया गया लोहे का एंगल और पंडाल अचानक गिर गया। पंडाल के गिरने से कई कांवरिया उसके नीचे दब गए, जिसमें कई लोग घायल हो गए। मौके पर सभी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां सभी की हालत स्थिर है। इस हादसे को लेकर कांवरियों में नाराजगी देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने शेड निर्माण के गुणवत्ता पर सवाल उठाया है। साथ ही शेड निर्माण पर प्रशासन से कार्रवाई की मांग की। कांवरियों का कहना है कि शेड के निर्माण में अनियमितता बरती गई है। जिसके कारण शेड बारिश का दबाव नहीं झेल पाया और ढह गया। वहीं, घायल कांवरियों ने बताया कि प्रशासन को इस पर ध्यान देना चाहिए। हमने मेला प्रभारी और प्रबंधन से जुड़े कई अन्य अधिकारियों से इस पूरे मामले का कारण जानने की कोशिश की लेकिन किसी से संपर्क नहीं हो सका। बता दें कि बासुकीनाथ श्रावणी मेला क्षेत्र में कांवरियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए कांवरिया रूट लाइन में अस्थायी शेड बनाया गया है। जिसके गिरने से ये हादसा हुआ है।

नामकुम बिजली ऑफिस में हथियारबंद लुटेरों ने बोला धावा, स्टाफ को 3 घंटे बनाया बंधक

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अब उन्होंने बिजली विभाग के कार्यालय को भी अपना निशाना बना लिया है। ताजा मामला नामकुम स्थित ग्रिड सब स्टेशन और ट्रांसमिशन सेंट्रल स्टोर का है, जहां सोमवार की देर रात हथियारों से लैस करीब 25 अपराधियों ने धावा बोल दिया। हथियारबंद अपराधियों ने ड्यूटी पर तैनात ऑपरेशनल स्टाफ और होमगार्ड जवानों को तीन घंटे तक बंधक बनाकर रखा और कॉपर मटेरियल, रिले सहित कई कीमती सामान चोरी करने की कोशिश की।

25 की संख्या में आए थे अपराधी : चश्मदीद कर्मचारियों के अनुसार, रात 10:30 बजे करीब 25 की संख्या में हथियारबंद अपराधी स्टोर के पिछले हिस्से से घुसे और सभी को बंधक बना लिया। अपराधियों ने सभी कर्मचारियों के मोबाइल फोन छीन लिए और उन्हें लगभग तीन घंटे तक बंद कमरे में कैद रखा। बदमाशों ने स्टोर रूम और ऑफिस के ताले कटर से काट डाले और कॉपर मटेरियल, रिले जैसे कीमती उपकरण चुराने की कोशिश की। हालांकि कितना सामान ले जाया गया, इसकी पुष्टि फिलहाल नहीं हो पाई है। करीब रात 1:30 बजे अपराधी सभी कर्मचारियों के मोबाइल वापस करके वहां से फरार हो गए।

कर्मचारियों को जाते-जाते देकर गए धमकी : कंट्रोल रूम के स्टाफ के अनुसार, अपराधी जाते-जाते यह धमकी भी देकर गए कि अगर किसी ने पुलिस या अधिकारियों को जानकारी दी, तो वे दोबारा लौटकर आएंगे। इससे कर्मचारियों में जबरदस्त दहशत का माहौल है।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहे सवाल : इस घटना के बाद न केवल बिजली विभाग की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं, बल्कि पुलिस की गश्ती और निगरानी व्यवस्था पर भी गंभीर चिंताएं खड़ी हो गई हैं। फिलहाल पुलिस को सूचना दे दी गई है और जांच की प्रक्रिया जारी है।

ओडिशा: छात्रा की मौत के बाद कांग्रेस ने किया 'बंद' का आह्वान, राहुल गांधी ने सिस्टम को बताया दोषी

नई दिल्ली/भुवनेश्वर : बालासोर में छात्रा की मौत के बाद कांग्रेस ने ओडिशा में 17 जुलाई को राज्यव्यापी 'बंद' का आह्वान किया है। यौन उत्पीड़न की शिकार छात्रा ने 12 जुलाई को आत्मदाह की कोशिश की। गंभीर स्थिति होने के कारण तीन दिन बाद छात्रा की मौत हो गई है। कांग्रेस ने छात्रा की मौत के बाद ओडिशा की भाजपा सरकार पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष भक्त चरण दास और 8 राजनीतिक दलों के नेताओं ने मंगलवार को कांग्रेस भवन में एक संयुक्त प्रेस वार्ता की। इस दौरान कांग्रेस ने 8 अन्य राजनीतिक दलों के साथ 17 जुलाई को राज्यव्यापी 'बंद' का ऐलान किया। बालासोर की घटना पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि ओडिशा में इंसाफ के लिए लड़ती एक बेटी की मौत सीधे-सीधे सिस्टम द्वारा की गई हत्या है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कांग्रेस सांसद ने लिखा, ₹उस बहादुर छात्रा ने यौन शोषण के खिलाफ आवाज उठाई, लेकिन न्याय देने के बजाय उसे धमकाया गया, प्रताड़ित किया गया और बार-बार अपमानित किया गया। जिन्हें उसकी रक्षा करनी थी, वही उसे तोड़ते रहे। हर बार की तरह भाजपा का सिस्टम आरोपियों को बचाता रहा और एक मासूम बेटी को खुद को आग लगाने पर मजबूर कर दिया। राहुल गांधी ने आगे लिखा, ₹ये आत्महत्या नहीं, सिस्टम द्वारा संगठित हत्या है। पीएम मोदी, ओडिशा हो या मणिपुर, देश की बेटियां जल रही हैं, टूट रही हैं और दम तोड़ रही हैं, और आप खामोश बने बैठे हैं। देश को आपकी चुप्पी नहीं, जवाब चाहिए। भारत की बेटियों को सुरक्षा और इंसाफ चाहिए। इससे पहले कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष भक्त चरण दास ने कहा कि छात्रा को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने लिखा, ₹फकीरमोहन स्वायत्त महाविद्यालय, बालासोर की छात्रा के निधन की खबर सुनकर मैं दुखी और स्तब्ध हूं। भाजपा सरकार की अक्षमता और उदासीनता के कारण आज एक प्रतिभाशाली व्यक्ति का असमय निधन हो गया। मैं दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। कांग्रेस विधायक सोफिया फिरदौस ने भी घटना पर दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ₹बालासोर फकीर मोहन स्वायत्तशासी महाविद्यालय में आत्मदाह की घटना में उपचाराधीन छात्रा ने हमेशा के लिए अपनी आंखें बंद कर लीं। उनके निधन की खबर सुनकर मैं अत्यंत दुखी और व्यथित हूं। यातना के खिलाफ उनका त्याग समाज के लिए एक भयानक उदाहरण है। ईश्वर उनके परिजनों को इस अपूरणीय क्षति में धैर्य और साहस प्रदान करें। मैं उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करती हूं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने राष्ट्रपति जिनपिंग से की मुलाकात, भारत-चीन संबंधों पर हुई चर्चा

बीजिंग : विदेश मंत्री एस। जयशंकर ने मंगलवार को बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति पर चर्चा की।

जयशंकर ने इस मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से चीनी राष्ट्रपति को शुभकामनाएं दीं।

यह बातचीत शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक के हिस्से के रूप में हुई, जिसमें विदेश मंत्रियों ने चीनी राष्ट्रपति से मुलाकात की।

जयशंकर ने इस मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज सुबह बीजिंग में अपने साथी एससीओ विदेश मंत्रियों के साथ ही राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं भी दीं। राष्ट्रपति शी को हमारे द्विपक्षीय संबंधों में हाल की प्रगति के बारे में बताया। इस संबंध में हमारे नेताओं के मार्गदर्शन को महत्व देते हैं।

मई 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद विदेश मंत्री जयशंकर चीन की अपनी पहली यात्रा पर हैं। वे तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक (सीएफएम) में भाग लेने के लिए चीन में हैं।

विदेश मंत्री ने सोमवार को चीनी अधिकारियों के साथ कई उच्च-स्तरीय बैठकें कीं, ताकि भारत-चीन संबंधों में संवाद और सहयोग को बढ़ाया जा सके।

उन्होंने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के केंद्रीय समिति के अंतरराष्ट्रीय विभाग के मंत्री लियू जियानचाओ से मुलाकात की और भारत-चीन के रिश्तों को सकारात्मक दिशा में बढ़ाने की आवश्यकता पर चर्चा की। इसके अलावा, उन्होंने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ भी द्विपक्षीय बैठक की।

वांग यी से मुलाकात के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने द्विपक्षीय मुद्दों को हल करने के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण पर जोर दिया।

जयशंकर ने सोमवार को बैठक के बाद एक बयान में कहा, यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम सीमा से संबंधित मुद्दों, लोगों के बीच आदान-प्रदान को सामान्य बनाने और व्यापार में कड़े कदमों और अवरोधों से बचने पर ध्यान दें। मुझे विश्वास है कि आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता के आधार पर, हमारे संबंध सकारात्मक दिशा में विकसित हो सकते हैं।₹ विदेश मंत्री ने चीनी उपराष्ट्रपति हान झेंग से भी मुलाकात की और भारत-चीन संबंधों के और सामान्यीकरण पर जोर दिया, जिससे दोनों देशों के लिए लाभकारी परिणाम निकल सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पड़ोसियों और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच विचारों और दृष्टिकोणों का खुला आदान-प्रदान वर्तमान जटिल वैश्विक माहौल में बहुत महत्वपूर्ण है।

भारत और चीन के बीच कूटनीतिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ पर जयशंकर ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने का स्वागत किया, जो 2020 से महामारी और सीमा तनावों के कारण निलंबित थी।

एससीओ विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक में जयशंकर ने भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वे इस साल के अंत में तियानजिन में आयोजित होने वाली एससीओ के 25वीं प्रमुखों की परिषद बैठक से पहले हो रही है। भारत ने 2023 में एससीओ की अध्यक्षता की थी। शंघाई सहयोग संगठन को क्षेत्रीय सुरक्षा ब्लॉक के रूप में स्थापित किया गया था और यह एक स्थायी अंतर सरकारी संगठन है, जिसमें भारत, चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, पाकिस्तान, ईरान और बेलारूस सदस्य हैं। एससीओ का एजेंडा आतंकवाद विरोधी, सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी पर केंद्रित है।

भारत की एससीओ की विभिन्न बैठकों में भागीदारी हाल के महीनों में बढ़ी है, जिसमें जून में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल की चीन यात्रा भी शामिल है।

बिहार में 1 करोड़ युवाओं को मिलेगा नौकरी और रोजगार, नीतीश कैबिनेट में लगी मुहर

पटना : नीतीश कैबिनेट की बैठक में आज 30 प्रस्तावों पर मंजूरी दी गई। कई विभागों से जुड़े अहम फैसले लिए गए। जिनमें सबसे महत्वपूर्ण फैसला बिहार के युवाओं से जुड़ा लिया गया है। दरअसल, बिहार सरकार ने अगले पांच सालों में राज्य में एक करोड़ नौकरी और रोजगार सृजन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को स्वीकृति दे दी है। नीतीश कैबिनेट का यह फैसला राज्य में बेरोजगारी को कम करने और युवाओं को अवसर प्रदान करने की दिशा में बेहद ही खास माना जा रहा है।

सीएम नीतीश ने खुद दी थी जानकारी : बता दें कि, इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद ही सोशल मीडिया अकाउंट एक्स के जरिये पोस्ट शेयर कर जानकारी दी थी। सीएम नीतीश ने खुशी जाहिर करते हुए लिखा था कि, अगले पांच साल में (2025 से 2030) एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया जा रहा है। इसके लिए निजी विशेषकर औद्योगिक क्षेत्रों में भी नौकरी और रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे। इसे लेकर एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जा रहा है।

कौशल विश्वविद्यालय की होगी स्थापना : ऐसे में आज नीतीश कैबिनेट में इस लक्ष्य को मंजूरी दे दी गई है। सीएम नीतीश कुमार की ओर से यह भी जानकारी दी गई थी कि, सात निश्चय के तहत राज्य के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए उन्हें कौशल विकास का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। अगले पांच वर्षों में युवाओं के कौशल विकास के लिए सात निश्चय के तहत चल रहे कार्यक्रम को विस्तारित किया जाएगा। आने वाले समय में कौशल विकास को लेकर एक कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी।

50 लाख का लक्ष्य पूरा : बता दें कि, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कई बार युवाओं के नौकरी और रोजगार को लेकर अपनी बात रखते नजर आ चुके हैं। इससे पहले सीएम नीतीश कुमार की ओर से 50 लाख नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया था। नीतीश सरकार की ओर से इस लक्ष्य को पूरा करने के बाद अब एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य तय किया गया है।

भारत में लॉन्च हुई टेस्ला मॉडल

मुंबई : इलेक्ट्रिक कार निमार्ता टेस्ला ने मंगलवार को भारत में अपनी रियर-व्हील ड्राइव (आरडब्ल्यूडी) मॉडल वाई कार लॉन्च की, जिसकी शुरूआती कीमत 59।89 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) रखी गई है। टेस्ला मॉडल वाई लॉन्ग रेंज रियर-व्हील ड्राइव की कीमत इसकी वेबसाइट पर पब्लिश्ड प्राइस लिस्ट के अनुसार 67।89 लाख रुपए होगी। मॉडल वाई की अमेरिका में शुरूआती कीमत 44,990 डॉलर, चीन में 263,500 युआन और जर्मनी में 45,970 यूरो है। भारत में इसकी कीमत किसी भी फेडरल टैक्स प्रोत्साहन से पहले, अमेरिका में इसकी मूल कीमत से लगभग 15,000 डॉलर का अंतर दर्शाती है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, टेस्ला मॉडल वाई शुरूआत में मुंबई, दिल्ली और गुरुग्राम में उपलब्ध होगी और इसकी डिलीवरी इस साल की तीसरी तिमाही में शुरू होने की उम्मीद है। आरडब्ल्यूडी वर्जन के लिए टेस्ला मॉडल वाई की रेंज एक बार फुल चार्ज करने पर 500 किमी होने का दावा किया गया है। लॉन्ग रेंज आरडब्ल्यूडी वर्जन की रेंज 622 किमी होने का दावा किया गया है। अपनी फास्ट चार्जिंग कैपेसिटी के साथ, मॉडल वाई को आरडब्ल्यूडी ट्रिम के लिए 238 किमी और लॉन्ग रेंज आरडब्ल्यूडी ट्रिम के लिए 267 किमी तक की रेंज जोड़ने में 15 मिनट लगते हैं। आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, मॉडल वाई आरडब्ल्यूडी 5।9 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकता है, जबकि लॉन्ग रेंज आरडब्ल्यूडी मॉडल को समान एक्सीलेरेशन के लिए 5।6 सेकंड लगते हैं। दोनों वर्जन की अधिकतम गति 201 किमी प्रति घंटा समान है। टेस्ला का पहला शोरूम मुंबई में खुला है, जबकि कंपनी द्वारा नई दिल्ली में दूसरा शोरूम खोले जाने की उम्मीद है। मॉडल वाई शुरूआत में मुंबई, दिल्ली और गुरुग्राम में उपलब्ध होगा। केबिन में 15।4-इंच का फ्रंट टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 8-इंच का रियर टचस्क्रीन, वेंटिलेशन वाली पावर्ड फ्रंट सीटे, पावर्ड टू-वे फोल्डिंग और हीटेड सेकंड-रो, फुटवेल और डोर पॉकेट एम्बिएंट लाइटिंग, रैप-अराउंड एम्बिएंट लाइटिंग और नौ स्पीकर जैसे फीचर्स मिलते हैं। इससे पहले, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में टेस्ला के पहले शोरूम 'एक्सपीरियंस सेंटर' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण है कि टेस्ला मुंबई शहर में आ गई है, जो भारत की न केवल आर्थिक, वाणिज्यिक और मनोरंजन की ही नहीं, उद्यमशीलता की राजधानी भी है।

न्यूज IN ब्रीफ

खूंटी बाजार टांड़ के समीप मिला एक युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

खूंटी : आज सबेरे खूंटी चाईबासा रोड पर स्थित एस एस हाई स्कूल के बाहर बने एक दुकान के सेड के नीचे एक युवक का शव पड़ा मिला। जिसे आस पास के दुकानदारों के द्वारा देखा गया, जिसकी जानकारी लोगों के द्वारा खूंटी पुलिस को दी गई। जिसके बाद पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर अंतपरीक्षण के लिए ले गई, वहीं मृतक के परिवार वालों से संपर्क किया जा रहा है। मृतक युवक की पहचान खूंटी के पेलोल बस्ती के विनोद रुंडा के रूप में की गई है। मृतक के चेहरे और शरीर के कई हिस्से में चोट के निशान मिले है जिससे खून भी निकल रहा था जोकि पूरे फर्श पर बिखरा था। विनोद रुंडा की मृत्यु कैसे हुई पुलिस जांच में जुटी है। कुछ लोगों के अनुसार विनोद रुंडा को कल शाम में बाजार टांड़ में देखा गया था। बताया जा रहा है कि कल खूंटी बाजार टांड़ में साप्ताहिक बाजार लगता है, जहां वो आया होगा। पर उसकी मृत्यु कैसे हुई ये जांच का विषय है। क्योंकि उसके चेहरे और कई जगह चोट के निशान पाए गए है।

चतरा की बेटी सपना राज बनी डाक्टर

चतरा : चतरा सदर प्रखंड के छोटे से गांव हफुआ की एक बेटी सपना राज ने एमबीबीएस क्वालीफाई कर चतरा जिला का नाम रौशन कर दिया है। सपना राज गांव के किसान अरविंद सिंह और श्रीमती आभा सिंह की पुत्री है। डाक्टर सपना राज के पिता अरविंद सिंह ने बताया कि कोरोना काल का वह दौर जब हम यह सोचते थे कि कल का सूरज देख पाएंगे कि नहीं पूरा जनमानस भयभीत था। घर से हजारों किलोमीटर दूर कोटा की भीष्म गर्मी की ताप को सहते हुए पुत्री सपना ने कुछ करने का ठान लिया था। इस जज्बात इस त्याग और इस समर्पण का नतीजा आज आया है। उन्होंने बताया कि एमबीबीएस का फाइनल रिजल्ट आ गया है और अंततः उनकी पुत्री डॉक्टर बनने में कामयाब हो गई है। फिलहाल डॉक्टर सपना राज एक वर्ष तक रिम्स में अपनी सेवा देंगी। डाक्टर सपना राज के पिता अरविंद सिंह बताते हैं उनकी पुत्री सपना राज ने चतरा के डीएवी पब्लिक स्कूल से मैट्रिक और डीएवी गांधीनगर रांची से प्लस टू किया। मेडिकल की तैयारी कोटा से किया। 2020 में नीट क्लियर करने के बाद रिम्स रांची से सत्र 2020 से 2025 तक एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की। आज उनके परिवार के साथ साथ पूरे चतरा जिले के लिए गौरव का पल है। डाक्टर सपना राज की सफलता पर बधाईयों का तांता लग गया है। चतरा के सांसद कालीचरण सिंह,विधायक जनार्दन पासवान,सूबे के पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता,मुखिया संघ के जिला अध्यक्ष अरविंद सिंह,संवेदक संघ के अध्यक्ष शशिकांत सहाय,ट्रक ऑनर एसोशिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद सिंह,जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर तिवारी,संवेदक सह पूर्व जिप सदस्य जयप्रकाश सिंह समेत कई लोगों ने इस सफलता पर बधाई और आशीष दिया है।

डॉ संध्या रानी के संचालन में संपन्न हुआ बोकारो में कवि सम्मेलन

चतरा : 13 जुलाई को 'अनमोल मोती' साझा काव्य संग्रह पुस्तक विमोचन सह कवि सम्मेलन सुबह 9:30 बजे से बोकारो में डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर 6 के सभागार में संपन्न हुआ। झारखंड के विभिन्न जिले लातेहार ,गिरिडीह, देवघर, चतरा ,धनबाद, हजारीबाग, रांची के जाने-माने कवियों ने इसमें भाग लिया। झारखंड के साथ-साथ बिहार, पश्चिम बंगाल, बेंगलोर और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के कवियों ने भी अपनी काव्य प्रस्तुति दी। जोहार दर्पण के संस्थापक सह कार्यक्रम संयोजक पंकज कुमार दास द्वारा आयोजित इस कर्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डी ए वी पब्लिक स्कूल सेक्टर 6 की प्राचार्य अनुराधा सिंह, विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के डॉ मुकुंद रविदास, खोरठा साहित्यकार वासु बिहारी, सुकुमार, शांति भारत, विनय कुमार उपाध्याय, एवं मुख्य अतथि महेंद्र नाथ गोस्वामी 'सुधाकर' की गरिमामयी उपस्थित बनी रही । खोरठा साहित्यकार श्याम सुंदर केवट जी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के कर कमलों से दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। सरस्वती वंदना, स्वागत गान और अतिथि सम्मान के पश्चात चतरा निवासी और सुप्रसिद्ध कवियत्री डॉ संध्या रानी के मनमोहक मंच संचालन में काव्य पाठ को गति मिली । स्मिता, अभयनंदन श्रीवास्तव, श्यामल मुंशी, कविता साव, मीत जरमस्तपूरी, अंत्रिका सिंह, सविता धर, सरोज झा, भोला सागर, पूर्णिमा सुमन, अमर प्रमाणिक, पूजा साहनी, संजय हजारीबागी, सुप्रिया रश्मि, सोनम झा, लुकेश्वर साहू, नीलम झा, अंकित उपाध्याय, अरुण पाठक, रजतनाथ, मुन्नी साव, पंकज कुमार दास, एवं संध्या रानी के साथ साथ सभी विशिष्ट अतिथि तथा मुख्य अतिथि ने भी अपने आशीर्वचन के साथ काव्य पाठ की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम अध्यक्ष श्याम सुंदर केवट ने अध्यक्षीय संभाषण के साथ काव्य पाठ किया। पूरे कार्यक्रम में तनुश्री, अभिलाषा कुमारी एवं प्रिया कुमारी की अहम भूमिका रही । क्षेत्रीय भाषा खोरठा तथा मुख्य भाषा हिन्दी, दोनों में हुई काव्य प्रस्तुति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

मिट्टी के घर ढहने से वृद्ध महिला की दबने से मौत

मुरी : मुरी ओपी अन्तर्गत बडा मुरी में बरसात के चलते मिट्टी के घर ढहने से वृद्ध महिला फुलो मुंडा (65)की मौत हो गई। पुलिस शव को कब्जे में लिया। धटना सुबह साढ़े तीन बजे की थी,घर में रह रहे मामा श्री राम मुंडा ने सुबह साढ़े तीन बजे अपने अन्य परिवार को मदद के लिए अवाज लगायी। वहीं पुलिस भी सुचना पा कर धटनस्थल पर पहुंच। जहां मिट्टी के मलवा को हटाया गया,वहीं मामा श्री राम मुंडा को जख्मी हालत में बाहर निकाला गया दोनों को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जहां डाक्टर ने फुलो देवी को मृत घोषित कर दिया, उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।। दुसरी तरफ आज सबेरे सिंगपुर मोड़ स्थित धनेश्वर कुम्हार के मि ट्टी का घर पुरी तरह से गिर गया। लेकिन किसी के जान का नुकसान नहीं हुआ।

शहर के अव्वल मोहल्ला मेन रोड में दिनदहाड़े लूट की कोशिश

संवाददाता

चतरा : शहर के मेन रोड में सोमवार को दिनदहाड़े लूट की कोशिश हुई। हालांकि भुक्तभोगी दंपति की दिलेरी के कारण लुटेरों की मंसा पूरी नहीं हुई। बताया जाता है कि शहर के दीभा मोहल्ला निवासी विपिन कुमार प्रधान अपनी पत्नी पूनम प्रधान के साथ एसबीआई चतरा के मुख्य शाखा से एक लाख रुपए की निकासी कर वापस अपने घर लौट रहे थे। पूनम देवी एक थैले में पैसा रखकर बाइक के पीछे बैठी थी। बाइक जैसे ही अव्वल मोहल्ला में डॉ एनएन मंडल के क्लिनिक के पास पहुंची। एक अन्य बाइक पर सवार दो युवको ने विपिन प्रधान की बाइक को ठोकर मार कर गिरा दिया। एक अपराधी विपिन प्रधान की पत्नी पूनम प्रधान से उनका थैला छीनने लगा। वह सड़क पर गिरी पड़ी थी लेकिन थैला नहीं छोड़ी। तब तक विपिन प्रधान मामला समझ चुके थे। वह अपनी बाइक को गिरा हुआ छोड़ कर अपराधी पर टूट पड़े। यह नजारा देख आसपास के दुकानदार भी दौड़े। लोगों को आता देख एक अपराधी पुरानी कचहरी की सड़क की ओर से भाग निकले। जब तक लोग उसका पीछा करते वह कहीं गायब हो गया। जबकि दूसरा अपराधी अपराधियों के पीछे-पीछे चल रहे दूसरे बाइक सवार अपराधियों की बाइक पर बैठकर फरार हो गया। लोगों ने इसकी सूचना सदर थाना पुलिस को दिया। पुलिस मौके पर पहुंची और एक अपराधी की छुट्टी हुई बाइक को जप्त कर सदर थाना लाया। सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि जप्त बाइक के नंबर के आधार पर अपराधियों की पहचान की जा रही है। शहर में लगे कई सीसीटीवी फुटेज को भी कंगाल जा रहा है। उन्होंने बताया कि जप्त बाइक उड़ीसा नंबर की है। इसका मालिक भी उड़ीसा का ही बताया जा रहा है।

अलग अलग मामले में फरारा छह आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

खूंटी : पुलिस ने हाल ही में तीन अलग-अलग मामलों में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। इनमें 18 साल से फरार चल रहे शिशुपाल सिंह भी शामिल हैं, जो दो हजार सात में एक तीन साल के बच्चे का अपहरण और हत्या करने के आरोप में वांछित था। और अठारह साल से छिप कर रह रहा था। आरोपी शिशुपाल सिंह को रांची जिले के कटहल मोड से गिरफ्तार किया गया। वह अपना नाम बदलकर वहां रह रहा था।

यह मामला 2007 का है, जब उसने एक नाबालिग बच्चे का अपहरण करने के बाद उसकी हत्या कर दी थी।

वहीं दूसरा मामला लूट और हत्या का है, जिस मामले में चार आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। 9 जुलाई 2025 को कर्रा थाना क्षेत्र के चेरवादाग गांव के पास एक पिकअप वाहन को रोककर तीन लाख रुपए की लूट की गई थी।

जिसमें 24 वर्षीय मंगू लोहरा, 22 वर्षीय बिरसा लोहरा, 30 वर्षीय राउतु लोहरा, और 19 वर्षीय भैरो लोहरा को बुंडू और मारंगहादा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

जिसके पास से पुलिस ने 37,500 रुपए नकद और 3 मोबाइल फोन (जिनमें से एक लूटा गया था) जब्त किए।

वहीं तीसरा मामला अवैध हथियार का है जिस मामले में गिरफ्तारी हुई है।

जिसमें रनियां थाना क्षेत्र के 35 वर्षीय मंगल केरकेट्टा को एक देशी कट्टा, दस गोलियां और 2 मैगजीन चार्जर के साथ पकड़ा गया।

इन मामलों की जांच के लिए एसएसपी क्रिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में विशेष टीमें बनाई गई थीं, जिनमें तोरपा, रनियां और कर्रा थाना के अधिकारी शामिल थे।

खूंटी पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि ये गिरफ्तारियां पुलिस की सक्रियता और सूचना तंत्र की मजबूती का नतीजा हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिले में अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई और तेज की जाएगी।

इस सफलता से खूंटी पुलिस ने एक बार फिर अपनी कार्यक्षमता का परिचय दिया है और आम जनता में सुरक्षा का भरोसा बढ़ाया है।

पलामू में फोर्थ ग्रेड की बहाली को सरकार ने स्थगित रखने के दिए निर्देश, नियमावली के बाद होगी बहाली

पलामू: जिले में फोर्थ ग्रेड बहाली की प्रक्रिया को राज्य की सरकार ने स्थगित करने का निर्देश दिया है. 11 जून को हुए कैबिनेट की बैठक में फोर्थ ग्रेड बहाली के नियमावली को लेकर चर्चा हुई थी, जिसके बाद बहाली को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में झारखंड सरकार के कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग के द्वारा पलामू जिला प्रशासन को एक पत्र मिला है. सरकार के संयुक्त सचिव आसिफ हसन ने पलामू डीसी को पत्र लिखा है और बहाली की प्रक्रिया को स्थगित करने का निर्देश दिया है. पलामू डीसी समीरा एस ने पत्र मिलने की पुष्टि किया है। सरकार द्वारा मिले पत्र में कहा गया है कि फोर्थ ग्रेड में सेवा नियमावली के गठन होने तक बहाली की प्रक्रिया स्थगित रहेगी. बहाली की प्रक्रिया स्थगित करने संबंधी निर्णय 11 जून को हुए कैबिनेट की बैठक में लिया गया है. इससे पहले सोमवार की दोपहर में यह खबर आई थी कि पलामू में फोर्थ ग्रेड की बहाली लिखित परीक्षा के आधार पर की जाएगी। हालांकि कुछ दिनों पहले इस बात की भी चर्चा थी कि बहाली की प्रक्रिया स्थगित हो सकती है. पलामू में 585 फोर्थ ग्रेड पद पर बहाली के लिए विज्ञापन जारी किया गया था. जारी विज्ञापन में 5 जुलाई तक आवेदन लिया गया था. विज्ञापन को लेकर कई आंदोलन हुए थे. बर्खास्त फोर्थ ग्रेड कर्मी भी अपनी सेवा का समायोजन करने की मांग कर रहे थे. नियुक्ति के लिए करीब 35000 अभ्यर्थियों ने आवेदन दिया है. इधर बर्खास्त फोर्थ ग्रेड कर्मी सुप्रीम कोर्ट गए हैं।

एसपी ने शहर के व्यावसाईयों के साथ की बैठक

ट्रैफिक जाम व सुरक्षा को लेकर हुई चर्चा, मेन रोड होगा वनवे

चतरा : जिले के एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने सोमवार को अपने कार्यालय कक्ष में ट्रैफिक जाम को लेकर शहर के व्यवसाईयों के साथ बैठक की। बैठक में सदर थाना की पुलिस भी उपस्थित थी। एसपी ने व्यवसाईयों से उनकी समस्या जानने का प्रयास किया। इस पर व्यावसायिक संघ के लोगों ने मेन रोड में लगने वाली जाम व इससे व्यवसाईयों को होने वाली परेशानियों से अवगत कराया। शहर में जाम की समस्या से छुटकारा पाने के लिए मेन रोड में वाहनों का परिचालन वन वे करने का निर्णय लिया गया। गया रोड की तरफ से आने वाली सभी वाहनों को मारवाड़ी मोहल्ला बायपास रोड से निकालने का निर्णय लिया गया। जबकि सिमरिया बगरा की ओर से आने वाली वाहनों को मेन रोड होकर निकाला जाएगा। इसके अलावा केसरी चौक पर किसी भी यात्री बसों के ठहराव पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया। केसरी चौक पर बस रोक कर यात्री नहीं बैठाने का निर्देश जारी करने का निर्णय लिया गया। यात्री वाहन या तो बस पड़ाव या गंदौरी मंदिर या फिर पोस्ट ऑफिस के आगे वाहन रोककर यात्री बैठ सकेंगे। टेंपो चालक भी किसी भी चौक चौराहों पर टेंपो खड़ी कर यात्री नहीं बैठ पाएंगे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास एवं जेएसएलपीएस योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक संपन्न

संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी की अध्यक्षता में सोमवार को ग्रामीण विकास विभाग तथा झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) से संबंधित सभी योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक संपन्न हुई।

बैठक में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), बिरसा हरित ग्राम योजना, डोभा निर्माण, पलाश मार्ट, दीदी कैफे, सखी मंडल गतिविधियों सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति एवं क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई।उपायुक्त ने सभी योजनाओं के कार्यान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता तथा समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सखी मंडल को आत्मनिर्भर बनाने, आजीविका संवर्धन हेतु ऋण वितरण, दीदी कैफे, पलाश मार्ट, दीदी बागवानी तथा महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के लिए और अधिक प्रभावी प्रयास करने पर जोर दिया।समीक्षा के दौरान पौधारोपण योजना में 1700 लक्ष्य के विरुद्ध 98 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई, जिस पर उपायुक्त ने संतोष व्यक्त करते हुए पत्थलगड्डा, हंटरगंज, एवं कुंदा प्रखंड को शत-प्रतिशत स्वीकृति प्रदान की और गड्ढा खुदाई कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना की समीक्षा में टंडवा, प्रतापपुर, कान्हाचट्टी एवं गिद्धौर की प्रगति असंतोषजनक पाई गई, जिस पर उपायुक्त ने नाराजगी जाहिर करते हुए अगली बैठक तक शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि जिन खेल मैदानों में चेंजिंग रूम एवं बाथरूम नहीं हैं, वहाँ 15वें वित्त आयोग मद से इन सुविधाओं का निर्माण कराया जाए। इस योजना के 523 लक्ष्यों में से 350 खेल मैदान पूर्ण किए जा चुके हैं। साथ ही, उपायुक्त ने मनरेगा अंतर्गत कार्यरत सभी कर्मियों के ईपीएफ खाते शीघ्र खुलवाने एवं मनरेगा पार्क निर्माण हेतु स्थल चिन्हित करने का निर्देश सभी प्रखंडों को दिया।

आवास योजनाओं की समीक्षा

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत आवास के लाभुकों को लंबित प्रथम किस्त का भुगतान दो दिनों के भीतर शत-प्रतिशत पूरा करने का निर्देश दिया गया। अबुआ आवास योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में आवास निर्माण की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए हंटरगंज, टंडवा, कान्हाचट्टी, लावालौंग एवं कुंदा प्रखंड के बीडीओ से कारण-पृच्छा की गई। साथ ही, जिन प्रखंडों की प्रगति 50 प्रतिशत से कम है, उन्हें अगली बैठक तक कम से कम 50 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने निर्देशित किया कि सभी प्रखंड पंचायतवार आवास की समीक्षा करें तथा कम प्रगति वाले पंचायतों की पहचान कर क्षेत्र भ्रमण करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।बैठक के दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा जेएसएलपीएस के कार्यक्षेत्र एवं चालित प्रमुख योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

वित्तीय समावेशन एवं बीमा योजनाएं : वित्तीय समावेशन के तहत सीसीएल एवं मुद्रा लोन से संबंधित दस्तावेज तैयार कर लक्ष्य के अनुरूप बैंक में शीघ्र जमा कराने के निर्देश उपायुक्त द्वारा दिए गए। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, इंश्योरेंस डेथ केस और क्लेम सेटलमेंट प्रक्रिया के बारे में भी जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस क्रम में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि प्रखंड विकास पदाधिकारी अपने-अपने प्रखंड में बीपीएम एवं पंचायत सचिव के साथ बैठक कर मृतक का ब्यौरा तत्काल उपलब्ध कराएं एवं इंश्योरेंस सेटलमेंट में सहयोग करें।

1 जीपी - 1 बीसी योजना

बैठक में 1 ग्राम पंचायत - 1 बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट (बीसी) योजना की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन पंचायतों में महिला बैंक बीसी नहीं हैं, वहां महिला बैंक बीसी की नियुक्ति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए।साथ ही, सभी सखी मंडल से संबंधित बैंक बीसी के साथ बैठक आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए।

एफपीओ एवं उद्यमिता विकास : उपायुक्त ने जेएसएलपीएस अंतर्गत संचालित किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए, साथ ही उनके मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के साथ अलग से बैठक आयोजित करने को कहा गया।इटखोरी प्रखंड विकास पदाधिकारी को एफपीओ के व्यवसाय संचालन हेतु दुकान के लिए उपयुक्त स्थल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि अगली बैठक से पहले दुकान आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण हो जानी चाहिए।

फ्लैगशिप योजनाएं एवं एसएचजी प्रगति : एनआरएलएम एवं फ्लैगशिप स्कीम के तहत चल रही सभी परियोजनाओं की स्थिति की जानकारी जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा दी गई।

उपायुक्त ने प्रत्येक प्रखंड से तीन-तीन प्रगतिशील स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की सूची शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

सीएलएफ की स्थिति : उपायुक्त ने सिमरिया एवं टंडवा प्रखंड अंतर्गत संचालित सभी 9 सीएलएफ (क्लस्टर लेबल फेडरेशन) की स्थिति एवं लोकेशन की सूची तत्काल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।बैठक में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मनिंदर भगत, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, जेएसएलपीएस के जिला कार्यक्रम प्रबंधक गौरव कुमार जयसवाल, संबंधित जिला प्रबंधक, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

बिजली बिल पर 5 प्रतिशत अधिभार को वापस ले सरकार : चैंबर

खूंटी : खूंटी जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स ने राज्य सरकार द्वारा लागू की गयी विद्युत उपभोग अधिभार नियमावली 2020-25 पर कड़ा ऐतराज जताया है। चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष प्रियंक भगत ने शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए लगाया गया 5 प्रतिशत अधिभार को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में रहने वाले उपभोक्ताओं से 5% अतिरिक्त सरचार्ज वसूलने का प्रावधान जनविरोधी एवं आपत्तिजनक है। इससे दुकानदारों, घरेलू उद्योगों और आम नागरिकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि पहले ही व्यापारी वर्ग महंगाई, टैक्स और मंदी के कारण अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। ऐसे में यह अधिभार न केवल व्यापार को प्रभावित करेगा, बल्कि छोटे व्यापारियों के पलायन को भी बढ़ावा देगा।

पुंदाग में बाइक सवार अपराधियों ने महिला से चेन छीनी

रांची : पुंदाग ओपी क्षेत्र के शालीमार बाग सोसाइटी के गेट के पास बाइक सवार अपराधियों ने एक महिला से चेन छिनतई कर ली। घटना सोमवार की है। जानकारी के अनुसार, महिला सोमवार को शालीमारबाग सोसाइटी के गेट के पास से गुजर रही थी। इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो अपराधी पहुंचे। उनके गले से सोने की चेन छीन ली। हालांकि, चेन का आधा हिस्सा टूट कर सड़क पर गिर गया। शेष भाग को अपराधी लेकर फरार हो गए। महिला ने शोर भी मचाया, मगर अपराधी भागने में सफल रहे। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुंदाग ओपी प्रभारी कृष्णा तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस की टीम घटनास्थल के आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरा से फुटेज निकाला है।

रांची एयरपोर्ट पर यात्री को अचानक आया हार्ट अटैक, मची अफरा-तफरी

रांची: रांची एयरपोर्ट पर बीती रात एक यात्री को अचानक हार्ट अटैक आ गया, जिससे अफरा-तफरी मच गई। पीड़ित की पहचान 55 वर्षीय संजय प्रसाद के रूप में हुई है, जो इलाज के लिए हैदराबाद जा रहे थे। एयरपोर्ट में प्रवेश करते ही संजय प्रसाद की तबीयत बिगड़ गई। मौके पर मौजूद क्यूरेस्टा मेडिकल टीम ने तुरंत प्राथमिक इलाज दिया और एंबुलेंस से उन्हें अस्पताल भेजा। एयरपोर्ट निदेशक आर.आर. मौर्य ने बताया कि मेडिकल टीम ने प्रोफेशनल तरीके से फर्स्ट एड देकर मरीज की जान बचाई। संजय प्रसाद पहले से हृदय रोग से पीड़ित थे और रांची के रिम्स में इलाज करा रहे थे। बेहतर इलाज के लिए वह हैदराबाद जा रहे थे। इस घटना के बावजूद इंडिगो की रांची-हैदराबाद फ्लाइट तय समय रात 9:10 बजे रवाना हो गई। संजय प्रसाद की हालत अब स्थिर बताई जा रही है।

राहुल गांधी के साथ झारखंड के कांग्रेस सांसदों और मंत्रियों की बैठक

रांची: एआईसीसी के केंद्रीय नेतृत्व ने झारखंड के कांग्रेस सांसदों, झारखंड की महागठबंधन सरकार में कांग्रेस कोटे के सभी मंत्रियों और कांग्रेस विधायकों के साथ दिल्ली में बैठक की. इस बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने झारखंड में चल रहे संगठन सृजन कार्यक्रम के साथ-साथ गठबंधन सरकार द्वारा अब तक किए गए कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने झारखंड के सभी कांग्रेस विधायकों और मंत्रियों से कहा कि झारखंड की जनता और कांग्रेस कार्यकर्ता हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं. उन्होंने कहा कि अगर संगठन की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाना कार्यकताओं की जिम्मेदारी है, तो उन्हें मजबूत करना भी सरकार और संगठन की प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक के दौरान झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू के साथ मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल को संगठन सृजन के तहत चलाए जा रहे अभियान की पूरी जानकारी दी. संगठन सृजन के अंतर्गत चलाए जा रहे अभियान की संपूर्ण जानकारी देते हुए प्रदेश प्रभारी के राजू ने बताया कि झारखंड में संगठन सृजन का कार्य व्यापक स्तर पर किया जा रहा है, जो आज भी सफलतापूर्वक जारी है. प्रखंड स्तर तक समितियों का गठन हो चुका है. प्रखंड स्तर तक के पदाधिकारियों के बीच प्रमाण पत्र वितरण की प्रक्रिया भी जारी है. संगठन को पंचायत स्तर तक ले जाने के लिए आगे की प्रक्रिया भी जारी है। के राजू ने अपने केंद्रीय नेतृत्व को बताया कि संगठन को मजबूत करने के लिए जिला एवं राज्य स्तर पर विभिन्न स्तरों पर संवाद आयोजित किए गए. झारखंड कांग्रेस द्वारा झारखंड के सभी जिलों में चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी ₹संविधान बचाओ रैली₹ के सफल आयोजन की भी जानकारी दी गई. के राजू ने मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को बताया कि झारखंड में पेसा कानून के नियम बनाने के लिए कांग्रेस ने अपने स्तर पर कांग्रेस कार्यकताओं, विधायकों, सामाजिक संगठनों और समाज के विभिन्न पेशेवरों से सुझाव आमंत्रित किए थे, एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया था. इस पर अंतिम विचार के बाद सभी सुझावों को संकलित कर मुख्यमंत्री को सौंपा जाएगा. झारखंड सरकार ने अनुसूचित जाति आयोग के गठन की भी घोषणा की है, जो निकट भविष्य में पूर्ण रूप ले लेगा। झारखंड की हेमंत सरकार में कांग्रेस कोटे से चार मंत्रियों राधाकृष्ण किशोर, दीपिका पांडे सिंह, डॉ. इरफान अंसारी और शिल्पी नेहा तिर्की ने केंद्रीय नेतृत्व को अपने-अपने विभागों द्वारा जनहित को ध्यान में रखते हुए किए गए कार्यों और आगामी योजनाओं से अवगत कराया. इसी क्रम में, राहुल गांधी ने कांग्रेस द्वारा चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों और महागठबंधन द्वारा संयुक्त रूप से जारी चुनावी घोषणापत्र पर भी चर्चा की. बैठक के दौरान, मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश को संगठन के लिए किए गए कार्यों और कार्यक्रमों की सफलता के लिए प्रोत्साहित किया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने निर्देश दिया कि हमें समाज के वंचित वर्ग को उनका अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष करते रहना होगा. कांग्रेस को एसटी, एससी और ओबीसी के लिए प्राथमिकता के आधार पर संगठनात्मक रूप से काम करना होगा. सामूहिक जिम्मेदारी लेते हुए, सभी को समाज के इन वर्गों को उनका अधिकार दिलाने के लिए हर स्तर यानी जिला, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर काम करना होगा. उन्होंने सभी को जनहित को सर्वोपरि रखते हुए मिलकर काम करने के निर्देश दिए. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हमारे लिए जनता और कार्यकर्ता सबसे पहले हैं. यदि सरकार और संगठन की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाना कार्यकताओं की ज़िम्मेदारी है, तो उन्हें मजबूत करना भी सरकार और संगठन की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मंत्रियों को विधायकों के साथ आपसी सामंजस्य स्थापित करना होगा और जनकल्याणकारी योजनाओं को प्राथमिकता के साथ जमीनी स्तर पर लागू करना होगा. हमारे कार्यकर्ता संगठन और सरकार की गतिविधियों को आम लोगों तक पहुंचाने की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं, इस कड़ी को मजबूत बनाए रखना हमारी ज़िम्मेदारी है। दिल्ली के इंदिरा भवन में हुई बैठक की जानकारी देते हुए झारखंड कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष सतीश पॉल मुंजनी ने बताया कि सांसद सुखदेव भगत, कालीचरण मुंडा, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, उपनेता राजेश कच्छप, डॉ. श्रीबेला प्रसाद, मल्लिकार्जुन खड़गे के सलाहकार प्रणव झा, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, विधायक डॉ. रामेश्वर उरांव, अनूप सिंह, सुरेश बैठा, सोनाराम बैठा, सोनाराम बैठा. आज की बैठक में सिंकु, भूषण बारा, नमन विकास कोंगारी, निशात आलम, श्वेता सिंह, ममता देवी उपस्थित थे।

केन्द्रीय सरना समिति ने पेसा कानून लागू करने को लेकर राजभवन मार्च किया

वर्तमान सरकार में आदिवासियों की स्थिति हुई खराब : बबलू मुंडा

संवाददाता

रांची : पूर्व घोषित चार दिवसीय कार्यक्रम के अनुसार 11 जुलाई को गुमला जिला के लिटा टोली से पंखराज बाबा कार्तिक उरांव के जन्म स्थल से नमन करते हुए निशा भगत के अगुवाई में सिसई, भरनो, बेड़ो, कटहल मोड़ होते हुए रात्रि में रांची के आईटी आई बजरा पहुंचा। दिनांक 14 जुलाई को केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष श्री बबलू मुंडा के अगुवाई में विभिन्न आदिवासी, धार्मिक सामाजिक संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ताओ ने आईटी आई बजरा पहुंच कर गुमला से पदयात्रा कर रांची पहुंचने वाले सभी आदिवासी अगुवाओं का फुल माला एवं अंगवस्त्र देकर उनका गर्म जोशी के साथ स्वागत किया। पुनः केन्द्रीय सरना समिति के नेतृत्व में श्री बबलू मुंडा की अगुवाई में आई.टी.आई. बजरा से राजभवन मार्च किया गया और पेसा कानून अधिनियम 1996 को अविलम्ब लागु करने को लेकर महामहिम राज्यपाल महोदय को माँग पत्र सौपा गया। केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष श्री बबलू मुंडा ने कहा कि पेसा कानून अधिनियम 1996 को क्यों लागु करने की माँग की जा रही है क्योंकि इस पेसा कानून से आदिवासी समाज के एवं झारखण्ड के विभिन्न जिलों के पाहन,पईनभोरा,कोटवार, महतो, मानकी मुण्डा, बैगा आदि जैसे लोगों को मिलने वाले अधिकार संरक्षित हो सके। श्री बबलू मुंडा ने कहा कि पेसा कानून अधिनियम 1996पेसा कानून पंचायत अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार अधिनियम 1996 भारत में अनुसूचित क्षेत्रों पांचवीं अनुसूची में रहने वाले आदिवासी समुदायों को स्वशासन और उनके प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार प्रदान करने के लिए बनाया गया है। यह कानून 24 दिसंबर 1996 को लागू हुआ और इसका उद्देश्य ग्राम सभाओं को सशक्त बनाना आदिवासियों के पारंपरिक अधिकारों की रक्षा करना और जल जंगल जमीन जैसे संसाधनों पर उनके नियंत्रण को सुनिश्चित करना है। यह कानून संविधान के अनुच्छेद 243 ट के तहत संसद द्वारा पारित किया गया और हेमंत सोरेन सरकार आदिवासियों की परंपरागत व्यस्था को नष्ट करने में लगी हैं। एक विशेष समुदाय को लाभ पहुंचाने के लिए, आदिवासियों की धर्म संस्कृति रीति रिवाज रुढ़िवादी प्रथा को खत्म करना चाहती है इसलिए हेमंत सोरेन सरकार झारखंड में पेसा कानून अधिनियम 1996 लागू नही कर रही हैं। मुख्य पहान श्री जगलाल पहान ने कहा कि पेसा अधिनियम 1996 में 23 प्रावधान और अधिनियम में कुल 17 धाराएँ हैं इसके अंतर्गत विभिन्न प्रावधान ग्राम सभाओं और पंचायतों को शक्तियाँ प्रदान करते हैं।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केन्द्रीय सरना समिति अध्यक्ष बबलू मुंडा, मुख्य पहान जगलाल पहान, अशोक मुंडा महादेव टोप्पो,बिरसा, पहान निशा भगत, एंजेल लकड़ा, खुशबू, अमित मुंडा, मुकेश मुंडा, मुन्ना हेमरोम, अरूण पहान, विशाल मंडा, संतोष मुंडा, महादेव मुंडा, राकेश मुंडा, धन सिंह मुंडा, सुनील केरकेट्टा,समीर, मनीष मुंडा, राहुल मुंडा, पवन लोहार, धीरज केस्पोटा, अमित मुंडा, अशोक मुंडा, सूरज मिंज,अमर टोप्पो, शंभू टोप्पो, पूजा मुंडा, शशि टोप्पो, दीपक टोप्पो, नेहा हेंब्रम, कविता मुंडा, देवांती मुंडा, एवं अन्य सैकड़ो की संख्या में उपस्थित थे।

झारखंड को मिला एक और शहर काजी

झारखंड सरकार ने किया मौलाना रिजवानउल्लाह कासमी को देवघर जिला के शहर काजी नामांकित

देवघर जिला के शहर काजी बने मौलाना रिजवानउल्लाह कासमी

संवाददाता

रांची: झारखंड को मिला एक और शहर काजी। हजरत मौलाना मो रिजवानउल्लाह कासमी जिला देवघर को आज दिनांक 15 जुलाई 2025 को शहर काजी बनाया गया। यह निर्णय झारखंड सरकार के राजस्व निबंधन व भूमि सुधार विभाग ने काजी अधिनियम के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल के आदेश पर हुआ हैं। राजस्व निबंधन व भूमि सुधार विभाग ने अधिसूचना जारी किया है। जिसमें लिखा है कि काजी अधिनियम 1880 संख्या 12 की कंडिका-2 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झारखण्ड के राज्यपाल के आदेश से मौलाना मोहम्मद रिजवानुल्लाह कासमी, पिता-स्व० मौलाना बदरूद्दीन कासमी, ग्राम-सुरसुरा नावाडीह, पो०-मनिगढ़ी, थाना-सारवाँ, जिला-देवघर झारखण्ड-814150 को देवघर जिलान्तर्गत भारतीय मुस्लिम समुदाय के बीच विवाह अनुष्ठानित करने तथा प्रमाण-पत्र देने हेतु काजी की अनुज्ञप्ति देते हैं एवं उन्हें विवाह निबंधक घोषित करते हैं। ज्ञात हो कि मौलाना रिजवानउल्लाह कासमी जमीयत उलेमा देवघर के तीन टर्म से अध्यक्ष हैं। साथ ही मदरसा जामिया रियाज अल सालेहात के प्रिंसिपल भी हैं। मौलाना रिजवानउल्लाह कासमी दीनी तालीम के साथ मदरसा बोर्ड से फाजिल और दारुल उलूम देवबंद से फारिग हैं। शिक्षा के क्षेत्र में अपना एक अलग पहचान बनाया। इनको शहर काजी बनाए जाने पर देवघर, रांची के उलेमा में खुशी है। मुबारकबाद देने वालो में शहर काजी मुफ्ती कमर आलम कासमी, जमीयत उलेमा के कोषाध्यक्ष शाह उमैर, मौलाना हसन इमाम, मौलाना असार उद्दीन, हाफिज अजहरुद्दीन, हाफिज अकरम मसूद, मौलाना अब्दुल्लाह नदवी, मौलाना कुतुबुर्रहमान कासमी, मौलाना खालिद कासमी, मौलाना इदरीस, हाफिज मुजाहिद, हाफिज रहमत, हाफिज आरिफ, फजले अली, पत्रकार आदिल रशीद समेत कई लोगों ने मुबारकबाद पेश की।

अस्मिता वुशु लीग सम्पन्न

देश में खेलो के प्रति सकारात्मक बदलाव आया है : डॉ प्रदीप वर्मा

संवाददाता

रांची : आचार्यकुलम स्कूल में चल रहें अस्मिता वुशु लीग विधिवत रूप से सम्पन्न हो गयी. इस लीग के समापन समारोह के मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद श्री प्रदीप कुमार वर्मा थे. उन्होंने इस अवसर प? अपने उदगार व्यक्त करते हुये कहाँ की खेलो इंडिया के तहत किये जा रहें विभिन्न आयोजनों से देश में खेल के माहौल में एक सकारात्मक बदलाव आया है. महिला खिलाड़ियों में वुशु का खेल इन दिनों काफी लोकप्रिय हुआ है जिससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार आया है और उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच प? अपने को साबित किया है।

लीग के समापन सत्र के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में ओलिंपियन श्री मनोहर तोपनो सहित प्रोफेसर मुकुंद मेहता, मिथलेश साहू, धर्मवीर सिन्हा, विभूति भूषण गप्पू, सुनील यादव,बीरेंद्र साहू, मुकेश साहू, अमासी बारला आदि उपस्थित थे.

इस लीग में रांची के विभिन्न स्कूल और क्लबों के तकरीबन 350 खिलाडी और अधिकारी उपस्थित थे जिन्हे मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किये गए, इसके साथ साथ पदक विजेता खिलाड़ियों को पदक भी प्रदान किये गए

इस अवसर पर उपस्थित झारखण्ड वुशु एसोसिएशन के चेयरमैन श्री चंचल भट्टाचार्य ने बताया की अस्मिता वुशु लीग की अगली कड़ी में धनबाद और जमशेदपुर में प्रतियोगिता होंगी. उन्होंने बताया की इसी सत्र में खेलो इंडिया के जोनल और नेशनल प्रतियोगिता में झारखण्ड के खिलाडी भाग लेंगे। झारखण्ड वुशु एसोसिएशन के महासचिव श्री शैलेन्द्र दुबे ने बताया की इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से महिला खिलाड़ियों के परफॉरमेंस में काफी सुधार आया है. अस्मिता वुशु लीग में सिल्ली वुशु अकादमी और मोराबादी वुशु क्लब के खिलाड़ियों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया. इसके साथ साथ मनन विद्या, आचार्यकुलम, के सी रॉय स्कूल के खिलाड़ियों ने काफी बेहतरीन प्रदर्शन किया।

चार लाख कांवरियों की सेवा कर चुका है सीसीएल, झारखंड-बिहार बॉर्डर पर लगता है शिविर

रांची : सावन के साथ ही बाबा भोले के भक्तों का तांता शिव मंदिर में उमड़ पड़ा. वहीं, शिवभक्तों की सेवा में भी लोग जुटे हुए हैं. झारखंड-बिहार बॉर्डर पर अवस्थित दुम्मा में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड का शिविर भी शुरू हो गया है. सीसीएल के द्वारा लगाया गए इस शिविर में पैदल बाबाधाम जाने वाले भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था की गई हैं। भक्तों को न सिर्फ निशुल्क चिकित्सीय व्यवस्था दी जा रही है। बल्कि पेयजल-चाय, आवश्यक दवा के साथ-साथ पैर की मालिश की भी व्यवस्था की गई है. कांवरियों के लिए यहां सीसीएल के द्वारा चिकित्सक के साथ पैरामेडिकल स्टाफ और एम्बुलेंस की भी व्यवस्था की गई है. इस महत्वपूर्ण शिविर का उद्घाटन हो चुका है। शिविर का उद्घाटन सीसीएल के सीएमडी की पत्नी प्रीति सिंह के हाथों किया गया था. बताया गया कि वर्ष 2014 से ही सीसीएल द्वारा दुम्मा में शिविर लगाया जाता रहा है. सामाजिक दायित्व निगमन (सीएसआर) के तहत आयोजित यह कैंप इस बार 9 अगस्त तक संचालित रहेगा। उन्होंने बताया कि अभी तक इस शिविर में 4,00,300 ग्रामीणों एवं कांवरियों की निशुल्क सेवा की जा चुकी है. इस बार भी एक लाख से अधिक कांवरियों की सेवा का लक्ष्य निर्धारित है. यहां महिला कांवरिया की सुविधा के लिए एक विश्राम कक्ष भी रखा गया है. इसके अलावा शौचालय की भी व्यवस्था दी गई है।

सेवादार हुए सम्मानित : उद्घाटन के उपरांत मुख्य अतिथि प्रीति सिंह के द्वारा उन चार सेवादार को सम्मानित किया गया जो वर्ष 2014 से ही शिव भक्तों की सेवा में यहां जुटे रहते हैं. इस दौरान सीसीएल के निदेशक कार्मिक की पत्नी इंदु मिश्रा एवं सीसीएल मुख्यालय से आयी हेडक्वार्टर अर्पिता महिला मंडल के साथ अन्य महिला सदस्य भी मौजूद रही।

जरूरतमंदों की सेवा मुकेश पोद्दार की दिनचर्या में शुमार

मेट्रो रेज

चाहे लाख करो तुम पूजा, तीरथ करो हजार, दीन-दुखी को ठुकराया तो सब कुछ है बेकार₹

वर्ष 1956में बनी फिल्म ₹दस लाख₹ के इसी गाने की अगली पंक्ति है, ₹गरीबों की सुनो, वो तुम्हारी सुनेगा, तुम एक पैसा दोगे वो दस लाख देगा₹ इस गाने की मर्मस्पर्शी पत्तियों को अपने जीवन का ध्येय बनाकर कर्त्तव्य पथ पर निरंतर अग्रसर हैं राजधानी रांची के रातू रोड (आकाशवाणी के सामने) निवासी मुकेश पोद्दार।

श्री पोद्दार गरीबों और जरुरतमंदों की सेवा के प्रति समर्पित हैं। पीड़ित मानवता की सेवा करने में उन्हें सुखद अनुभूति होती है। समाज सेवा की प्रेरणा उन्हें अपने माता-पिता से मिली। श्री पोद्दार की प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा जहानाबाद (बिहार) से हुई। उनके पिता स्व.विजय कुमार पोद्दार रेडीमेड परिधान के एक प्रतिष्ठित व्यवसायी थे। वहीं, माता स्व.चंद्रकला पोद्दार एक कुशल गृहणी के साथ-साथ धार्मिक-आध्यात्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। मुकेश पोद्दार के माता-पिता सामाजिक व धार्मिक-आध्यात्मिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता निभाया करते थे। गरीबों व जरूरतमंदों की सेवा करने में भी वह सदैव आगे रहते थे। उन्हीं की प्रेरणा से मुकेश पोद्दार ने भी गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा के प्रति समर्पित भाव से लगे रहने का निर्णय लिया। मुकेश वर्ष 2007 में दाम्पत्य सूत्र में बंधे। उषा पोद्दार से उनका विवाह हुआ। विवाहोपरांत भी अपने पारिवारिक जिम्मेवारियों का बखूबी निर्वहन करते हुए वह समाज सेवा के कार्य में भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते रहे। वर्ष 2011 में वे रांची आए। यहां अपने पिता द्वारा स्थापित अपर बाजार के सोनार गली स्थित रेडीमेड परिधान का ख्यातिप्राप्त प्रतिष्ठान ₹बालाजी फैशन₹ (ड्यूक शोरूम) का संचालन करने लगे। व्यावसायिक गतिविधियों और पारिवारिक जिम्मेवारियों की व्यस्तता के बावजूद श्री पोद्दार का समाज सेवा के प्रति हमेशा रुझान रहता है। वह विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संगठनों से भी जुड़े हुए हैं। श्री पोद्दार कहते हैं कि समाज के कमजोर वर्ग के लोगों की सेवा करने में उन्हें सुकून मिलता है।

पीड़ित मानवता की सेवा से आत्म-संतुष्टि होती है। व्यक्ति के चरित्र और व्यक्तित्व का विकास होता है। इससे सहानुभूति और करुणा की भावना बढ़ती है। समाज में एकता और सौहार्द बढ़ता है, सामाजिक जिम्मेदारी की भावना बढ़ती है।

श्री पोद्दार कहते हैं कि सेवा करने से व्यक्ति समाज के लिए सकारात्मक योगदान करता है। यह ईश्वरीय कृपा प्राप्ति में सहायक है। उल्लेखनीय है कि मुकेश पोद्दार व उनकी पत्नी उषा पोद्दार ने अपने कुछ सहयोगियों संग विगत दिनों हरमू हाउसिंग कॉलोनी के एचआई-67, कल्याण और विकास समिति परिसर में आर्थिक रूप से कमजोर लगभग पचास स्कूली छात्र-छात्राओं और निवारणपुर स्थित मूक-बधिर विद्यालय में एक सौ से अधिक बच्चों के बीच नये रेडिमेड वस्त्र का वितरण किया।

समाजसेवा के प्रति उनके इस समर्पण की चहुंओर सराहना की जा रही है। उन्होंने समाज सेवा के क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों को आगे आने की अपील की।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

वांछित अपराधी से संबंधित महत्वपूर्ण विवरणी :-

- नाम एवं पता :- रंजन कुमार मिश्रा उर्फ अंकित मिश्रा उर्फ अभिनव कुमार उर्फ मुकेश तिवारी, उम्र-38 वर्ष, पिता-स्व० रामनरेश मिश्रा उर्फ राम बच्चन मिश्रा उर्फ राम प्रवेश मिश्रा उर्फ नन्द किशोर तिवारी उर्फ मनोज, सा0-नामोटोला, हलुदबनी, थाना-परसुडीह, जमशेदपुर, जिला-पूर्वी सिंहभूम(झारखण्ड)
- शारीरिक विवरण :-रंग-गेहुँआ, बाल-काला/सफेद, चेहरा-गोल, लंबाई-5'8" पहचान चिन्ह-बाएँ आँख के नीचे तिल, माथे पर दाहिने ओर कट का निशान, बाएँ आँख के नीचे तिल, बाएँ कलाई के उपर जले का निशान।
- अभियुक्त की शिक्षा:- 10 वीं
- आधार नंबर :- 646419453524
- पैन नंबर :- FFCPM3061M
- पत्नी का नाम:- चाँदनी मिश्रा, पैननंबर-CSXPM6834M, आधार नंबर-112305846893, 387368391516
- माता का नाम:- श्रीमति मीना मिश्रा, आधार नंबर-358470729549

- अपराधिक विशेशता :- शीर्ष पदो के व्यक्तियों का सोशल मीडिया, ई-मेल आई0डी0 अथवा पहचान का उपयोग कर अथवा फर्जी दस्तावेजों/सोशल मीडिया एकाउंट का उपयोग कर पहचान बदल कर पैसा ठगी करने का एक पेशेवर अपराधकर्मी।

उपरोक्त अपराधकर्मी का नाम रंजन कुमार मिश्रा उर्फ अंकित मिश्रा उर्फ अभिनव कुमार उर्फ मुकेश तिवारी, उम्र-38 वर्ष पिता-स्व0 रामनरेश मिश्रा उर्फ राम बच्चन मिश्रा उर्फ राम प्रवेश मिश्रा उर्फ नन्द किशोर तिवारी उर्फ मनोज, सा0-नामोटोला, हलुदबनी, थाना-परसुडीह, जमशेदपुर, जिला-पूर्वी सिंहभूम (झारखण्ड) है जो राज्य सरकार के शीर्ष पदों में पर सेवारत पदाधिकारी तथा माननीय न्यायाधीश के नाम से उनके अधीनस्थों से ठगी करने का आदतन अपराधी है। उक्त अपराधकर्मी के विरुद्ध झारखण्ड राज्य अन्तर्गत कुल-11 काण्ड सहित बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं दिल्ली राज्य अन्तर्गत कुल-19 काण्ड ज्ञात है। रंजन कुमार मिश्रा के विरुद्ध गोन्दा (राँची) थाना काण्ड संख्या-71/2022, दिनांक-11.06.2022, धारा-419/420 भा0द0वि0 एवं 66 सी0/66 डी0 आई0 टी0 एक्ट के अन्तर्गत आरोप पत्र समर्पित है तथा उक्त अपराधी BA NO. 2936/2023 में दायर IA NO. 3218/2023 के आलेक में जमानत पर मुक्त होकर फिरार हो गया है। उसके वर्तमान ठिकानों की जानकारी नही मिल रही है।

उपरोक्त के आलोक में फिरार चल रहे रंजन कुमार मिश्रा उर्फ अंकित मिश्रा उर्फ अभिनव कुमार उर्फ मुकेश तिवारी, उम्र-38 वर्ष पिता-स्व0 रामनरेश मिश्रा उर्फ राम बच्चन मिश्रा उर्फ राम प्रवेश मिश्रा उर्फ नन्द किशोर तिवारी उर्फ मनोज, सा0-नामोटोला, हलुदबनी, थाना-परसुडीह, जमशेदपुर, जिला-पूर्वी सिंहभूम (झारखण्ड) के विरुद्ध पुलिस उप-महानिरीक्षक-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची के स्तर से पचीस हजार (25000/-) रूपये की राशि का पुरस्कार घोशित किया गया है।

उपरोक्त अपराधी की गिरफ्तारी हेतु आम जनता का सहयोग अपेक्षित है। रंजन कुमार मिश्रा के ठिकाने अथवा वर्तमान गतिविधि की सूचना देनेवाले को उक्त राशि से पुरस्कृत किया जाएगा तथा उसकी गोपनीयता भी बरकरार रखी जाएगी। उक्त अपराधकर्मी आपके क्षेत्र में या आपके आसपास नजर आते है तो इसके संबंध में कृपया नीचे अंकित मोबाईल नम्बर/फोन नम्बर पर सूचना उपलब्ध करा सकते है अथवा निकटतम थाना में सूचना पहुँचा सकते है।

पुलिस उप-महानिरीक्षक-वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची	:-9431706136
पुलिस अधीक्षक, नगर, राँची	:-9431706137
पुलिस अधीक्षक, ए0टी0एस0,झारखण्ड, राँची	:-9771439870
पुलिस उपाधीक्षक, सदर, राँची	:-9431102090
थाना प्रभारी, गोन्दा, राँची	:-9431706182

पुलिस उप-महानिरीक्षक-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची

PR 357257 (Police)25-26*D

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

असुरक्षित महिलाएं

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की स्थिति को जाहिर करने वाली जस्टिस हेमा कमिटी की रिपोर्ट आखिर सोमवार को सार्वजनिक हो गई। रिपोर्ट में दी गई बातें हैरान तो करती ही हैं, इस रिपोर्ट को सामने लाने के लिए जिस तरह की मशक्कत करनी पड़ी, वह भी अपने आप में बहुत कुछ कहती है। कमिटी का गठन 2017 में मलयालम फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री के अपहरण और सेक्शुअल असॉल्ट की घटना के बाद किया गया था। कमिटी ने 2019 में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। लेकिन रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया। सूचना के अधिकार (फ्ळ्क) के तहत किए गए आवेदनों के जरिए पांच साल के लंबे और कठिन संघर्ष के बाद यह रिपोर्ट पब्लिक डोमेन में लाई जा सकी। रिपोर्ट का कंटेंट देखने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि क्यों वहां की ताकतवर लॉबी इसे सार्वजनिक किए जाने के खिलाफ थी और क्यों उसने इसे लोगों की नजरों से छुपाए रखने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी थी। रिपोर्ट में कम से कम 17 तरह के शोषण गिनाए गए हैं, जिनसे केरल फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रही महिलाओं को गुजरना पड़ता है। इनमें लेडीज टॉयलेट और चेंजिंग रूम जैसी सुविधाओं की कमी और पारिश्रमिक में भेदभाव से लेकर काम के बदले में सेक्स की डिमांड तक तमाम तरह के शोषण शामिल हैं। रिपोर्ट में ठीक ही कहा गया है कि सेक्शुअल हैरासमेंट ऑफ विमिन एट वर्कप्लेस (प्रिवेंशन, प्रॉहिबिशन एंड रिड्रेसल) एक्ट 2013 जैसे कानून और इसके तहत अनिवार्य बताए गए इंटरनल कमिटी गठित करने जैसे प्रावधान इन मामलों में ज्यादा मदद नहीं करते। इसकी एक वजह यह है कि ये वर्कप्लेस पर हैरासमेंट की बात करते हैं जबकि फिल्म इंडस्ट्री में शोषण अक्सर काम मिलने से पहले ही शुरू हो जाता है। दूसरी बात यह कि शोषण करने वाले लोगों की लॉबी इतनी ताकतवर है कि शिकायत करने की हिम्मत दिखाने पर भी करिअर खत्म हो जाता है। भले जस्टिस हेमा कमिटी की यह रिपोर्ट सिर्फ केरल फिल्म इंडस्ट्री की बात करती हो, अन्य फिल्म इंडस्ट्री को लेकर भी ऐसे आरोप लगते रहे हैं। इसे भी महज संयोग नहीं कहा जा सकता कि जिस समय यह रिपोर्ट सार्वजनिक हुई है, कोलकाता में एक डॉक्टर के रेप और मर्डर की घटना को लेकर पूरा देश उद्वेलित है। ऐसी घटनाएं अलग-अलग इलाकों और पेशों में महिलाओं की असुरक्षा का सवाल पेश करती रहती हैं। ऐसे में कोई एक कानून, कोई एक आयोग या प्राधिकरण इसका इलाज नहीं हो सकता। पुलिस-प्रशासन, कानून-अदालत और परिवार-समाज सभी स्तरों पर दीर्घकालिक प्रयास ही बेहतरी सुनिश्चित कर सकते हैं।

भारत-अमेरिका साथ-साथ

पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा पर दिखी अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए अगर सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ हुई उनकी फोन वार्ता पर गौर करें तो हाल की यूक्रेन यात्रा की सार्थकता ज्यादा स्पष्ट रूप में सामने आती है। यूक्रेन यात्रा ने उन गलतफहमियों को भी खत्म कर दिया है, जो रूस यात्रा के बाद खास तौर पर पश्चिमी हलकों में दिखाई देने लगी थीं। पीएम मोदी की रूस यात्रा की टाइमिंग को लेकर अमेरिका में भी सवाल उठाए गए थे। एक तो वह यात्रा अमेरिका में नैटो देशों की प्रस्तावित बैठक के ठीक पहले हुई थी, दूसरे वह मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में हुई उनकी पहली विदेश यात्रा होने की वजह से भी अहम मानी गई थी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी तब पीएम मोदी की रूस यात्रा पर खुले रूप में नाखुशी जताई थी। इसके बरक्स सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन की पहल पर हुई फोन वार्ता इस बात का साफ संकेत है कि जो भी गलतफहमियां रही हों, वे पूरी तरह मिट चुकी हैं। हालांकि भारत पहले दिन से अपने इस रुख पर अडिग रहा है कि वह बातचीत के जरिए जल्द से जल्द शांति स्थापित करने के पक्ष में है। पीएम मोदी ने रूस में राष्ट्रपति पूतिन से भी कहा था कि युद्ध के मैदान से कोई स्थायी समाधान नहीं निकल सकता, और यूक्रेन में राष्ट्रपति जेलेंस्की को भी सुझाव दिया कि जल्द शांति स्थापित करने के लिए वह रूस से बातचीत करें। दोनों नेताओं की फोन वार्ता में बांग्लादेश का जिक्र आना कई लिहाज से अहम है। पड़ोस का यह मुल्क जिस तरह के हालात से गुजर रहा है, उसे लेकर आशंकाएं स्वाभाविक हैं। ऐसे में भारत और अमेरिका दोनों देशों का अपनी चिंताएं साझा करना मायने रखता है। पीएम मोदी की ओर से बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा का मसला उठाना जाहिर करता है कि अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के आश्वासन के बावजूद इस मामले में भारत की चिंता दूर नहीं हुई है। जिस तरह से तथ्यों के विपरीत जाकर बांग्लादेश के कुछ नेता बाढ़ के लिए भारत पर उंगली उठाने की कोशिश कर रहे हैं, वह भी बताता है कि वहां भारत के खिलाफ माहौल बनाने वाले तत्व अब भी सक्रिय हैं। यह फोन वार्ता ऐसे समय हुई है, जब कुछ ही दिनों बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान मोदी और बाइडन मिलने वाले हैं। उसी बीच, क्वॉड देशों की बैठक भी प्रस्तावित है। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय रिश्तों में हो रही प्रगति की भी समीक्षा की। कुल मिलाकर, इस बातचीत ने दोनों देशों के रिश्तों की सहजता को रेखांकित किया है।

बिहार चुनाव में होगी मध्य प्रदेश के निषादराज सम्मेलन की गूंज

> मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य मछुआरा समुदाय को सशक्त बनाना, उनकी परंपराओं का सम्मान करना और सामाजिक सदभाव को बढ़ावा देना है। निषादराज सम्मेलन रामायण के पात्र निषादराज गुह से प्रेरित रहा, जिन्हें प्रभु श्रीराम के प्रति उनकी भक्ति और समर्पण के लिए जाना जाता है। निषादराज ने प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और सीता माता को गंगा पार करने में सहायता प्रदान की थी जिसे सामाजिक समरसता का बड़ा प्रतीक माना जाता है।

हर्षवर्धन पाण्डेय

बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में 12 जुलाई को आयोजित निषादराज सम्मेलन न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि इसके गहरे सियासी मायने भी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य मछुआरा समुदाय को सशक्त बनाना, उनकी परंपराओं का सम्मान करना और सामाजिक सदभाव को बढ़ावा देना है। निषादराज सम्मेलन रामायण के पात्र निषादराज गुह से प्रेरित रहा, जिन्हें प्रभु श्रीराम के प्रति उनकी भक्ति और समर्पण के लिए जाना जाता है। निषादराज ने प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और सीता माता को गंगा पार करने में सहायता प्रदान की थी जिसे सामाजिक समरसता का बड़ा प्रतीक माना जाता है। इस तरह के बड़े सम्मेलन का आयोजन देश के हृदय प्रदेश मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक नगरी उज्जैन में करके प्रदेश सरकार निषाद समुदाय को यह संदेश दे रही है कि वह विरासत से विकास के अपने विजन पर मजबूती के साथ काम कर रही है। मध्य प्रदेश में मछुआरा समुदाय की आबादी विशेष रूप से उज्जैन, नरसिंहपुर और होशंगाबाद में उल्लेखनीय है। यह समुदाय परंपरागत रूप से मत्स्य पालन और नदी-आधारित आजीविका पर निर्भर है। हालांकि यह समुदाय ओबीसी समुदायों जितना प्रभावशाली नहीं है फिर भी यह कई विधानसभा क्षेत्रों में जातिगत समीकरणों को प्रभावित करता दिखाई देता है। निषादराज सम्मेलन के आसरे भाजपा इस समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनकी आर्थिक-सामाजिक स्थिति को बेहतर करने की दिशा में अपने कदम मजबूती एक साथ प्रदेश की सियासत में बढ़ा रही है। मध्य प्रदेश आज मत्स्य उत्पादन और मछुआ समाज के सशक्तिकरण के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और मुख्यमंत्री मछुआ कल्याण योजना जैसे नवाचारों ने हजारों मछुआरों के जीवन में नई आशा की किरण जगाई है। ड्रोन और जीपीएस प्रणाली जैसे नवाचार और योजनाएं मध्य प्रदेश को मत्स्य पालन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सधे हुए कदम हैं। मुख्यमंत्री ने 22 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से 453 स्मार्ट फिश पार्लर का भूमि-पूजन और इंदिरा सागर बांध में लगभग 92 करोड़ लागत से 3360 केज परियोजना का वर्चुअल भूमि-पूजन किया और कहा कि अब मछली पालन सिर्फ पारम्परिक कार्य नहीं, एक आधुनिक उद्योग है। इसमें निवेश बढ़ेगा, उत्पादन बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा और सरकार मस्त्य पालन के लिए मछुआरों को अनुदान देगी। भोपाल में 40 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक एक्वा पार्क का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदिरा सागर सहित अन्य जलाशयों में 3 लाख से अधिक केज स्थापित किए जाएंगे। प्रदेश में वर्तमान में 4.4 लाख हेक्टेयर में मछली पालन कार्य हो रहा है।वर्ष 2024-25 में प्रदेश का मछली उत्पादन 3.81 लाख मैट्रिक टन रहा। मध्य प्रदेश की सियासत में जातिगत समीकरण हमेशा से महत्वपूर्ण रहे हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वोटरों ने भाजपा को बड़ा नुकसान पहुंचाया था जिसके चलते कांग्रेस सत्ता में आई। हालांकि 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में हुए दलबदल के बाद भाजपा ने फिर से सत्ता हासिल की। वहीं 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद पार्टी 2028 के विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव के लिए अपनी स्थिति को और मजबूत करना चाहती है। निषाद समुदाय को साधने का प्रयास इसी रणनीति का हिस्सा है। यह समुदाय एक दौर में परंपरागत रूप से कांग्रेस या अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ जुड़ा रहा है अब बिहार ,बंगाल, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के चुनावों में भाजपा के लिए संजीवनी बन सकता है। निषादराज सम्मेलन से एक तीर से दो निशाने खेलने की कोशिश की गई है। पहला सम्मेलन केवल निषाद समुदाय तक सीमित नहीं है। इसका सन्देश अन्य समुदायों में भी जाएगा जिनकी संख्या प्रदेश में कम है। दूसरा यह सम्मेलन मोदी सरकार की सामाजिक समरसता और समावेशी विकास की दिशा में एक नई लकीर खींचेगा जिसकी गूंज आने वाले बिहार चुनाव में सुनाई देगी। बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से लगभग 45 पर निषाद और मांझी जातियों का प्रभाव माना जाता है।

निषादराज सम्मेलन का आयोजन मुख्यमंत्री यादव का एक बड़ा मास्टर स्ट्रोक है जो निषाद समुदाय के सशक्तिकरण के साथ-साथ बिहार में भाजपा के निषाद और मांझी वोटबैंक को मजबूत करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा आने वाले दिनों में बनेगा। बिहार में भी मछुआरा समुदाय की आबादी भी आगामी चुनावों की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। राज्य के 38 जिलों में मछुआ समुदाय विभिन्न क्षेत्रों में अपनी आजीविका के लिए मत्स्य पालन पर निर्भर है। मध्य प्रदेश में निषादराज सम्मेलन के सफल आयोजन की गूंज अब बिहार के गांवों और पंचायतों तक पहुंचना तय है। बिहार अब इस मध्य प्रदेश मॉडल को अपनाकर भविष्य में अपने मछुआरा समुदाय को सशक्त बना सकता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

टैरिफ की टकराहट में उलझा भारत-अमेरिकी व्यापार समझौता

> कृषि के बाद अगला बड़ा मुद्दा है औद्योगिक वस्तुओं का व्यापार– जैसे स्टील और ऑटोमोबाइल पार्ट्स। अमेरिका ने भारतीय स्टील पर ऊंचे टैरिफ (शुल्क) लगा रखे हैं, यह कहते हुए कि भारत सस्ते दामों पर माल भेजता है। भारत चाहता है कि ये शुल्क घटाए जाएं और साथ ही वह अमेरिका से आयातित वाहनों पर अपने शुल्क बनाए रखना चाहता है, ताकि ह्यमेक इन इंडियाह्व पहल को बल मिले। सबसे बड़ी चिंता यह है कि अमेरिका 26% का प्रतिशोधात्मक शुल्क फिर से लागू कर सकता है, जिसे फिलहाल 10% पर रोका गया है। अगर यह दर 1 अगस्त से बढ़ती है तो भारत के वस्त्र, चमड़ा और इंजीनियरिंग उत्पादों पर बुरा असर पड़ेगा– ये वे क्षेत्र हैं, जो लाखों लोगों को रोजगार देते हैं। भारत का सुझाव है कि शुल्क 5% से 10% के बीच रखा जाए– यह दोनों देशों के लिए संतुलित और व्यावहारिक रहेगा।

के. के. झा

9 जुलाई 2025 तक जिस भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद थी, वह अब भी अधर में लटका है। यह सिर्फ एक समझौता नहीं, बल्कि दोनों लोकतंत्रों की नीतियों, प्राथमिकताओं और प्रतिबद्धताओं की परीक्षा है। भारत की ओर से सबसे बड़ा अड़ंगा कृषि, विशेषकर डेयरी क्षेत्र है, जिससे 8 करोड़ से अधिक छोटे किसान जुड़े हैं। अमेरिकी डेयरी उत्पादों के लिए बाजार खोलना इनकी आजीविका के लिए संकट पैदा कर सकता है। दूसरी ओर, अमेरिका चाहता है कि भारत अपने बाजार को कृषि उत्पादों, वाहनों और शराब के लिए खोले। भारत का ह्यमेक इन इंडियाह्वअभियान इन मांगों को पूरी तरह स्वीकारने से रोकता है। उद्योग क्षेत्र में स्टील और ऑटो पार्ट्स को लेकर भी विवाद है। व्यापार समझौते में हो रही यह देरी दशार्ती है कि दोनों देश अपने-अपने हितों की रक्षा करते हुए साझेदारी को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। बहुप्रतीक्षित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर 9 जुलाई 2025 तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद थी। लेकिन यह तारीख भी बीत गई और समझौता अब भी अधर में लटका है। यह देरी दशार्ती है कि दोनों देश अपने-अपने हितों की रक्षा करते हुए साझेदारी को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। यह व्यापार समझौता सिर्फ आँकड़ों या सामान की अदला-बदली का मामला नहीं है-यह समझदारी, सम्मान और दूरदर्शिता से जुड़े निर्णयों का विषय है। इस समझौते में सबसे बड़ा रोड़ा बना है कृषि, खासकर भारत का डेयरी क्षेत्र। देश के 8 करोड़ से अधिक छोटे किसान दुग्ध व्यवसाय पर निर्भर हैं। अगर अमेरिका को भारत के डेयरी बाजार में प्रवेश मिल गया, तो यह किसानों की आजीविका के लिए बड़ा संकट बन सकता है। भारत का यह विरोध सिर्फ नीति का मामला नहीं है- यह ग्रामीण भारत की सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा सवाल है। वहीं, अमेरिका भारत में अपने डेयरी, मक्का, सोयाबीन और शराब उत्पादों के लिए बाजार चाहता है। लेकिन अमेरिका भारत की कृषि संरचना और उसकी संवेदनशीलता को अक्सर सही तरीके से नहीं समझ पाता। भारत की खेती एक जीविका है, व्यापार नहीं।

कृषि के बाद अगला बड़ा मुद्दा है औद्योगिक वस्तुओं का व्यापार- जैसे स्टील और ऑटोमोबाइल पार्ट्स। अमेरिका ने भारतीय स्टील पर ऊंचे टैरिफ (शुल्क) लगा रखे हैं, यह कहते हुए कि भारत सस्ते दामों पर माल भेजता है। भारत चाहता है कि ये शुल्क घटाए जाएं और साथ ही वह अमेरिका से आयातित वाहनों पर अपने शुल्क बनाए रखना चाहता है, ताकि ह्यमेक इन इंडियाह्व पहल को बल मिले। सबसे बड़ी चिंता यह है कि अमेरिका 26% का प्रतिशोधात्मक शुल्क फिर से लागू कर सकता है, जिसे फिलहाल 10% पर रोका गया है। अगर यह दर 1 अगस्त से बढ़ती है तो भारत के वस्त्र, चमड़ा और इंजीनियरिंग उत्पादों पर बुरा असर पड़ेगा- ये वे क्षेत्र हैं, जो लाखों लोगों को रोजगार देते हैं। भारत का सुझाव है कि शुल्क 5% से 10% के बीच रखा जाए- यह दोनों देशों के लिए संतुलित और व्यावहारिक रहेगा। भारत में कुछ क्षेत्रों में विदेशी निवेश (ऋऊक) पर अब भी रोक है–जैसे जुए, तंबाकू, अणु ऊर्जा, और रेलवे। इसके पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक मूल्यों की चिंता है। रक्षा, मीडिया जैसे खुले क्षेत्रों में भी निवेश पर सीमाएं और सरकारी मंजूरी जरूरी है। भारत विदेशी पूंजी का स्वागत करता है, लेकिन अपने नियमों और शर्तों पर। यह सोच भारत को वैश्विक पूंजी का लाभ तो उठाने देती है, लेकिन नियंत्रण उसके अपने हाथ में रहता है। यह खुलापन और सुरक्षा के बीच एक समझदारी भरा संतुलन है।

भारत और अमेरिका दोनों अपने-अपने देश के घरेलू दबावों से जूझ रहे हैं। भारत को अपने किसानों और श्रमिकों की रक्षा करनी है, जबकि अमेरिका को अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत दिखाना है और प्रभावशाली व्यापार सौदे करना है। फिर भी उम्मीद बनी हुई है। भारत आज वैश्विक व्यापार का एक भरोसेमंद केंद्र बनता जा रहा है, जो अमेरिका के लिए चीन जैसे विकल्पों से हटकर एक बेहतर साथी बन सकता है। अगर दोनों देश थोड़ा-थोड़ा झुकें, तो समझौता संभव है। अमेरिका अपने शुल्क में थोड़ी राहत दे सकता है, और भारत कुछ ऐसे क्षेत्र खोल सकता है जो उसकी कृषि या आत्मनिर्भरता को नुकसान न पहुँचाएं।

भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका का आयात शुल्क 5% से 10% के बीच होना चाहिए। यह दर भारत की प्रतिस्पर्धा बनाए रखेगी और अमेरिका की घरेलू चिंताओं को भी ध्यान में रखेगी। अगर यह शुल्क 20% से ऊपर गया, तो भारत को भारी नुकसान होगा- निर्यात घटेगा, रोजगार जाएगा और व्यापार का संतुलन बिगड़ेगा। भारत भी कुछ गैर-संवेदनशील क्षेत्रों में अमेरिका को सीमित बाजार पहुंच दे सकता है- बशर्ते इससे उसके किसानों या मुख्य हितों पर असर न हो।

यह व्यापार समझौता केवल आयात-निर्यात की बात नहीं है–यह एक परीक्षा है कि क्या दो लोकतांत्रिक देश आपसी सम्मान और समझ के साथ साझेदारी निभा सकते हैं। समय लगना कोई विफलता नहीं है। यह दिखाता है कि दोनों पक्ष इस समझौते को गंभीरता से लेना चाहते हैं। अगर धैर्य, समझदारी और संतुलन बना रहा तो भारत और अमेरिका ऐसा मॉडल बना सकते हैं, जो बाकी दुनिया के लिए मिसाल बन जाए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सावन के सोमवार व्रत से भगवान शिव होते हैं प्रसन्न

सावन का महीना शुरू हो गया है, यह महीना भगवान शिव की पूजा-अर्चना के लिए समर्पित है। इस माह के दौरान शिव मंदिरों में बहुत रौनक होती है। इस दौरान महादेव की कृपा पाने के लिए भक्त रोजाना विशेष पूजा-अर्चना एवं सोमवार का व्रत भी करते हैं तो आइए हम आपको सोमवार व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बार में बताते हैं। हिंदू धर्म में सावन के महीने का बड़ा महत्व है। इस महीने में कई लोग व्रत रखते हैं और महादेव की पूजा करते हैं। सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित है। इस दौरान भक्त विशेष पूजा करते हैं। सावन सोमवार का व्रत बहुत फलदायी माना जाता है। सावन के महीने में आने वाले सोमवार का विशेष महत्व होता है और इस दिन भोलेनाथ का आशीर्वाद पाने के लिए व्रत रखा जाता है। इस साल सावन में 4 सोमवार के व्रत आएंगे। पंडितों के अनुसार इस व्रत का पालन करने से भगवान शिव खुश होते हैं और सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करते हैं। अगर आप सारे सोमवार का व्रत नहीं कर सकते हैं, तो फिर पहला और आखिरी कर सकते हैं। इन व्रतों से भी आप शिव जी की कृपा प्राप्त कर सकते हैं। शास्त्रों के अनुसार सावन मास भगवान शिव का सबसे पसंदीदा माह है और इस दौरान यदि कोई श्रद्धालु पूरी आस्था के साथ भोलेनाथ की आराधना करता है तो उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। इस महीने में भगवान शिव की विधि-विधान के साथ पूजा होती है। सावन के पावन महीने में शिव के भक्त कावड़ लेकर आते हैं और उस कांवड़ में भरे गंगा जल से शिवजी का अभिषेक करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दौरान भगवान शिव धरती लोक पर निवास करते हैं। ऐसे में भक्तों द्वारा की गई प्रार्थनाओं का शीघ्र फल मिलता है इसलिए भोले के भक्त हर सावन के सोमवार का व्रत रखते हैं और विधि-विधान से इनकी पूजा-अर्चना करते हैं।

पंडितों के अनुसार इस साल सावन का महीना 11 जुलाई 2025, शुक्रवार के दिन से शुरू हो गया है। यह माह देवो के देव महादेव को समर्पित है और इस दौरान भक्त भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए रोजाना उनका जलाभिषेक करते हैं। सावन के महीने में आने वाला प्रत्येक सोमवार बहुत खास होता है और इस दिन भगवान शिव के भक्त उनकी कृपा पाने के लिए व्रत रखते हैं। सावन सोमवार के व्रत की महिमा शिवपुराण में भी बताई गई है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन के सोमवार का व्रत रखने से जातकों के जीवन में खुशहाली आती है और भोलेनाथ हर मनोकामना पूरी करते हैं।

पंडितों के अनुसार सोमवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें। पूजा शुरू करने से पहले व्रत का संकल्प लें। एक वेदी पर भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा स्थापित करें। शिवलिंग का गंगाजल और पंचामृत से अभिषेक करें। इसके बाद शुद्ध जल से अभिषेक करें।

सेहत

आलस्य बीमारियों का दुश्मन

हाल ही में लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। यह रिपोर्ट 197 देशों के लगभग 57 लाख लोगों की है और इसमें यह बताया गया है कि हमारे देश के लगभग 50 प्रतिशत लोग बहुत कम शारीरिक परिश्रम करते हैं। इनमें लगभग 42 प्रतिशत महिलाओं और 57 प्रतिशत पुरुषों को आलसीपन की श्रेणी में रखा गया है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार हर व्यक्ति को लगभग 20 मिनट कसरत करने की जरूरत होती है।

आलस्य बहुत सी जानलेवा बीमारियों को भी दावत देता है, जिनमें मुख्यतः मोटापा, डायबिटीज, हार्ट, बीपी आदि बीमारियां हैं। इसमें कोई शक भी नहीं है कि हमारे देश में इन बीमारियों के रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है। अगर बच्चे खेल के मैदान में नहीं खेलते हैं तो इनके तन-मन के लिए जरा भी उचित नहीं है। इसलिए पढ़ाई के साथ खेल भी जरूरी हैं।

जयदेव महतो,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

लाइवलीहुड टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : उपायुक्त ऋतुराज के निर्देश पर जिले में लाइवलीहुड टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इस टास्क फोर्स में जेएसएलपीएस, आरसेटी, कौशल विकास विभाग, नियोजन, एफपीओ तथा जिला उद्योग केन्द्र को शामिल किया गया है। इस टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य सरकार द्वारा संचालित आजीविका योजनाओं से अधिक से अधिक आमजनों को जोड़ना है, ताकि जिले के लोग स्वरोजगार के अवसर प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकें। लाइवलीहुड टास्क फोर्स के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन भी किया गया, जिसमें संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा- निर्देश दिए गए। बैठक में पूर्व

निर्णयों की समीक्षा, पीएम विश्वकर्मा योजना पर विशेष जोर

बैठक की शुरूआत में सर्वप्रथम पूर्व में लिये गये निर्णयों पर हुई कार्रवाई की समीक्षा की गई। उपायुक्त श्री ऋतुराज ने विशेष रूप से उद्योग विभाग के अंतर्गत संचालित पीएम विश्वकर्मा योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि इस योजना का लाभ लेने हेतु आवेदकों की नियमित ट्रैकिंग की जाए तथा उन्हें ट्रेडवार प्रशिक्षण प्रदान कर योजना का लाभ सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त महोदय ने अधिकारियों से योजना के क्रियान्वयन में गति लाने और अधिक से अधिक पात्र लाभुकों को जोड़ने पर भी जोर दिया। युवाओं को प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट पर जोर, बंदियों को भी आजीविका प्रशिक्षण

उपायुक्त ऋतुराज ने बैठक के दौरान आरसेटी और कौशल विकास विभाग के अंतर्गत युवाओं को दिए जा रहे प्रशिक्षण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं का ट्रैकिंग कर उनकी प्लेसमेंट की जानकारी ली तथा इसका विवरण सूचीबद्ध किया जाए। इसके साथ ही उपायुक्त महोदय ने जेल में बंदियों को भी उनकी रुचि के अनुसार आजीविका से संबंधित प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि रिहाई के बाद वे स्वरोजगार से जुड़कर समाज की मुख्यधारा में लौट सकें।

जेएसएलपीएस और एफपीओ की प्रगति की समीक्षा, पलाश मार्ट व दीदी कैंटीन पर विशेष जोर

उपायुक्त ऋतुराज ने बैठक में जेएसएलपीएस एवं एफपीओ द्वारा संचालित कार्यों की विस्तार से समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आकांक्षा सह पलाश मार्ट के विकास की प्रक्रिया को तेज करने का निर्देश दिया, ताकि स्थानीय उत्पादों के विपणन को बढ़ावा दिया जा सके। इसके अलावा, दीदी कैंटीन स्थापित करने के लिए उपयुक्त स्थल का शीघ्र चयन करने का भी निर्देश दिया गया। एफपीओ को लक्ष्य के मुकाबले अधिक उपलब्धि (अचीवमेंट) प्राप्त करने पर बल देते हुए उपायुक्त महोदय ने कहा कि इसके लिए ठोस कार्ययोजना बनाकर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्य रूप से महाप्रबंधक उद्योग विभाग, अग्रणी जिला प्रबंधक, जिला सहकारिता पदाधिकारी, डीपीएस जेएसएलपीएस समेत अन्य मौजूद रहे।

न्यूज IN ब्रीफ

वज्रपात की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के आतापुर पंचायत अंतर्गत मेहंदीपुर गांव में रविवार को वज्रपात की चपेट में आने से एक अधेड़ व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मेहंदीपुर निवासी कुब्राज टुडू अपने खेत में काम कर रहा था। काम खत्म करने के बाद वह पास के तालाब में स्नान कर रहा था। तभी अचानक हुए वज्रपात की चपेट में आने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही राधानगर पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने कुब्राज टुडू के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है। इस मामले में पुलिस ने यूडी केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जिन आवेदनों में दस्तावेजों की कमी उन्हें फिर से प्रस्तुत करें : उपायुक्त

साहिबगंज: जिला समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला स्थापना समिति एवं अनुकम्पा समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई।बैठक में जिला अनुकम्पा समिति के समक्ष विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 11 मामलों को प्रस्तुत किया गया। उपायुक्त द्वारा सभी आवेदनों की क्रमवार समीक्षा की गई तथा दस्तावेजों की गहन जांच की गई जिनमें आयु प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक कागजात शामिल थे।जिन आवेदकों के दस्तावेज पूर्ण एवं संतोषजनक पाए गए उन्हें अनुकंपा के आधार पर एक माह का प्रशिक्षण प्रदान कर विभिन्न कार्यालयों में पदस्थापित करने का निर्णय लिया गया। वहीं जिन आवेदनों में दस्तावेजों की कमी पाई गई, उन्हें अगले बैठक में पुनः प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। स्थापना समिति की बैठक में जिले के विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत लिपिक संवर्ग के कर्मियों से जुड़े सेवा संतुष्टि के 03 मामले, विभागीय कार्रवाई के 09 मामले एवं नियमित प्रोन्नति के 08 मामलों पर विचार-विमर्श किया गया।उपायुक्त ने कर्मियों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए नियमानुसार पदस्थापन स्थानांतरण एवं प्रतिनियुक्ति की कार्रवाई शीघ्र करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में अपर समाहर्ता गौतम भगत, अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगार्नंद झा, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला पंचायत राज पदाधिकारी अनिल कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बाल श्रम के विरुद्ध अभियान में 12 वर्षीय बालक विमुक्त, नियोजक पर होगी कार्रवाई

कोडरमा/मेट्रो रेज संवाददाता : बाल श्रम उन्मूलन के विरुद्ध दिनांक 14 जुलाई 2025 को चंदवारा क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व श्रम अधीक्षक, कोडरमा श्री अनिल कुमार रंजन द्वारा किया गया। अभियान के दौरान मदनगुड़ी टोल प्लाजा के समीप स्थित मगध लाइन होटल से एक 12 वर्षीय बाल श्रमिक को रेस्क्यू कर विमुक्त कराया गया। तत्पश्चात बालक को बाल कल्याण समिति, कोडरमा को सौंपा गया। प्राप्त सूचना के अनुसार बालक के पुनर्वासन एवं अन्य आवश्यक कार्यवाही की प्रक्रिया प्रगति पर है। श्रम अधीक्षक अनिल कुमार रंजन ने बताया कि बाल श्रम करवाना एक गंभीर अपराध है। नियोजक के विरुद्ध बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत कार्रवाई की जाएगी तथा ?20,000 का जुमार्ना भी वसूला जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई नियोजक बाल श्रम कराते पाया गया, तो उसके विरुद्ध ?20,000 से ?50,000 तक आर्थिक दंड या 6 माह से 2 वर्ष तक की सजा अथवा दोनों का प्रावधान है। इस अभियान में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी के साथ- साथ श्रम अधीक्षक कार्यालय के पंकज कुमार, संजय कुमार एवं सिकंदर कुमार भी उपस्थित रहे।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर मसमोहना का निरीक्षण

कोडरमा/मेट्रो रेज संवाददाता : जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. रमण कुमार द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सोमवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर मसमोहना का निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा सेन्टर पर मौजूद सी.एच.ओ. दिव्या कुमारी, ए.एन.एम. वीणा कुमारी, ए.एन.एम. सकुंलता कुमारी एवं सहियाओं से वर्तमान में चल रहे कार्यक्रम के तहत टीबी से संबंधित असुरक्षित समूह (जैसेः- 05 वर्ष तक के टीबी के ईलाज पूर्ण मरीज, 03 साल तक टीबी मरीज के संपर्क वाले व्यक्ति, मधुमेह रोगी, कुपोषित व्यक्ति, 60 वर्ष से अधिक के व्यक्ति, शराब सेवन एवं धुमपान करने वाले व्यक्ति, उद्योगों में कार्य कर रहे श्रमिक, सलम एरिया) की खोज करने एवं चिन्हित व्यक्यिों की सूची बनाने की जानकारी लिया एवं सी.एच.ओ. को निदेश दिया गया कि चिन्हित व्यक्तियों को निक्षय एप्प में पंजीकृत करते हुए उनका नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में बलगम जॉच एवं एक्स-रे कराना है। ह्यह्य टीबी मुक्त भारत अभियानह्लह्ल के तहत जिले के सभी असुरक्षित समूहों को जॉच कराकर टीबी के लक्षण या बिमारी का पता लगाना है। यह कार्यक्रम पूरे राज्य में जुलाई 2025 से दिसम्बर 2025 तक चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत टीबी से संबंधित लक्षण वाले व्यक्यिों की खोज करना, जॉच कराना व उपचार कराना है।

पुलिस छापेमारी में एक गिरफ्तार

साहिबगंज : जिरवाबाडी थाना क्षेत्र के बाद पचगढ़ निवासी रितेश कुमार को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि रितेश के विरुद्ध थाना में मामला दर्ज था और यह लंबे समय से फरार चल रहा था ।इसकी गिरफ्तारी के लिए न्यायालय से वारंट निर्गत की गई थी। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए गिरफ्तार किया है पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया ।

पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर मामले कि जांच में जुटा

संवाददाता

साहिबगंजःजिला के जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के श्रीराम चौकी महादेवगंज तुरी टोला में अहले सुबह एक युवक की शव कुएं में तैरते हुए ग्रामीणों द्वारा देखे जाने के उपरांत इलाके में आग कि तरह खबर फैल गई।जिसके बाद शव को देखने के लिये घटना स्थल पर ग्रामीणों की भीड़ उमड गई।तभी घटना कि जानकारी ग्रामीणों ने पुलिस को दिया।सुचना मिलते ही पुलिस दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर मामले कि जांच में जुट गई।वहीं मृतक युवक कि पहचान जीरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के श्रीराम चौकी महादेवगंज तुरी टोला रौशन तुरी के रूप में हुई है।जिसके बाद पुलिस शव को कुएं से निकालने के उपरांत अपने कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल साहेबगंज भेज दिया।वहीं मौके पर मौजूद श्रीराम चौकी के प्रधान मरांग मरांडी द्वारा बताया गया कि कुआं में गिर जाने से रौशन तुरी का मौत हो गया है। आगे बताया कि कुएं से पानी भरने के दौरान पैर फिसलने के कारण हादसा हुआ होगा।वही पुलिस मामले की छानबीन कर रही है.

डीएसई ने उपायुक्त को मामले से कराया अवगत

साहिबगंज :उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय में जिला स्तरीय स्टेयरिंग- सह- मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक में जिला शिक्षा अधीक्षक के द्वारा विभिन्न मामले को लेकर उपायुक्त को अवगत कराया गया जिसमें उपायुक्त ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अपर समाहर्ता गौतम भगत अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगार्नंद झा, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला पंचायत राज पदाधिकारी अनिल कुमार व अन्य उपस्थित थे।

टेंट सिटी में बना सैंड आर्ट श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र

संवाददाता

बासुकीनाथ : राजकीय श्रावणी मेलामहोत्सव 2025 के अवसर पर बाबा बासुकीनाथधाम आने वाले श्रद्धालुओं के लिए जिला प्रशासन दुमका द्वारा अत्याधुनिक टेंट सिटी की व्यवस्था की गई है।बड़ी संख्या में श्रद्धालु आरामपूर्वक टेंट सिटी में विश्राम कर रहे हैं। साफ-सुथरी चारपाई, रोशनी की उत्तम व्यवस्था, वेंटिलेशन के लिए पंखों की सुविधा और सुव्यवस्थित पंक्तियों में बिछे बिस्तर श्रद्धालुओं को सुविधा और शांति प्रदान कर रहे हैं। टेंट सिटी में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी लगाए गए है एवं कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गयी जी। हर चारपाई पर तकिया और डिस्पोजेबल चादर की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो। प्रशासन द्वारा लगाए गए सूचना बैनर व दफकोड

के माध्यम से श्रद्धालु टेंट सिटी, चिकित्सा सेवा, पेयजल, शौचालय, दर्शन मार्ग एवं अन्य आवश्यक जानकारी सरलता से प्राप्त कर रहे हैं।

यह टेंट सिटी न केवल व्यवस्थाओं की मिसाल है, बल्कि श्रद्धालुओं की श्रद्धा को सम्मान देने का उदाहरण भी है।जिला प्रशासन का यह प्रयास श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान कर रहा है।राजकीय श्रावणी मेला 2025 के अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा तैयार की गई टेंट सिटी न सिर्फ श्रद्धालुओं के ठहराव का केंद्र है, बल्कि इसके बाहर बनाई गई सुंदर सैंड आर्ट भी विशेष आकर्षण का केंद्र है। रेत से उकेरे गए भगवान शिव के भव्य स्वरूप के साथ ह्हर हर महादेवह्व की लिखावट श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देती है।श्रद्धालु इस सैंड आर्ट के पास रुककर फोटो खिंचवा रहे हैं और इस अनुपम दृश्य को अपने कैमरे में कैद कर रहे हैं। यह कलाकृति मेला की स्मृतियों को और भी विशेष बना रही है।

मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं को अपने परिजनों से मिलाने का किया जा रहा है कार्य

संवाददाता

देवघर : राजकीय श्रावणी मेला, 2025 के अवसर पर पहली सोमवारी को लेकर जिले के उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा द्वारा रात्रि निरीक्षण कर वास्तुस्थिति का जायजा लिया जा रहा था, इसी कड़ी में दुम्मा बोर्डर समीप जिला कोटा, ग्राम खिमच राजस्थान निवासी संगीता देवी अपने पुत्र से बिछुड़कर बिहार से झारखण्ड प्रवेश द्वार दुम्मा पहुंचकर बिलख रही थी, जिसके पश्चात उपायुक्त ने मामले को संज्ञान में लेते हुए संगीता देवी से बातचीत करते हुए उन्हें आष्वस्त किया कि आपके बच्चे (दीपक कुमार उम्र 9 साल) को जल्द से जल्द जिला प्रशासन व सूचना जनसम्पर्क विभाग की टीम द्वारा आपसे मिला दिया जायेगा, जिसके पश्चात बिहार के सूचना जनसम्पर्क विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए सूचना प्रसारित की गयी। साथ ही संपूर्ण मेला क्षेत्र में सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग की ओर से बनाए गए 31

सूचना-सह-सहायता केंद्रों के अलावा बाईकर्स द्वारा बिछुड़े हुए कांवरियों को उनके परिजनों से मिलाने का कार्य बखूबी किया गया। साथ ही वैसे भी सूचना-सह-सहायता केन्द्रों का स्लोगन ही है ह्यह्यबिछुड़ों को हम मिलाते हैंह्लह्ल। इसी के तहत बारह घंटे अंदर ही बच्चे को इनारावरण से ढूंढ निकाला गया, जिसके तुरंत बाद सूचना जनसम्पर्क विभाग के बाईक दस्ता द्वारा इनारावरण से दुम्मा सूचना केंन्द्र लाया गया; जहाँ सबसे पहले बच्चे का हर सम्भव देखभाल सूचना सह सहायता कर्मियों द्वारा की गई। इसके अलावा 09 वर्षीय बच्चे दीपक ने अपनी माता को देखते हीं अपनी खुशी जाहीर की। बच्चे माता ने कहा कि प्रतिवर्ष श्रावणी मेला में यहाँ आ रहे है सुबह ज्यादा भीड़ होने की वजह से उनका ध्यान बच्चे के उपर से भटक गया और उन्हें पता हीं नहीं चला कि कब बच्चा उनसे बिछड़ गया। आगे उन्होंने उन्होंने अपने बच्चे से मिलने के पश्चात उपायुक्त एवं सूचना-सह-सहायता कर्मियों का इस कार्य के लिए आभार प्रकट किया की चौबीस घंटे के पहले उनके बच्चें से उन्हें मिल दिया गया।

कर्तव्य व समय में पूर्ण ईमानदारी से कार्य करें : डॉ रामदेव पासवान

साहिबगंजःसिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान द्वारा देर रात्रि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोरियो का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति की जांच की।साथ ही ओपीडी रजिस्टर का अवलोकन कर कार्यप्रणाली का मूल्यांकन किया।डॉ. पासवान ने ऑन ड्यूटी डॉक्टर को निर्देशित किया कि वे कर्तव्य समय में पूर्ण ईमानदारी निष्ठा से कार्य करें ताकि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं समय पर मिल सकें।यह निरीक्षण स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया।

सर्किट हाउस निर्माण से क्षेत्र के लोग होंगे लाभान्वित : विधायक

संवाददाता

साहिबगंजः राजमहल विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने कहा कि राजमहल के जर्जर निबंधन कार्यालय जो सरकार के राजस्व प्राप्ति का एक माध्यम है.वहां आने वाले क्रेता एवं विक्रेता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था जिसे देखते हुए राजमहल आगमन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी को भवन दिखाते हुए मांग की गई थी कि मार्केट कांप्लेक्स के साथ निबंधन कार्यालय का भवन का निर्माण हो जिसमें प्रतीक्षालय सहित सुविधा क्रेता एवं विक्रेता को मिले.वही राजमहल अनुमंडल मुख्यालय है और यहां राजकीय माघी पूर्णिमा मेला का भी आयोजन होता है.राजकीय अतिथि सहित अन्य अतिथियों का लगातार आगमन होते रहता है ऐसे में सर्किट हाउस परिसदन नहीं रहने के कारण काफी परेशानियां होती है.सर्किट हाउस के निर्माण से राजमहल आने

वाले अतिथियों को काफी सुविधा मिलेगी. उन्होंने कहा कि जिला के उपायुक्त दोनों ही योजना को सकारात्मक तरीके से लेते हुए संबंधित विभाग को प्रकिया का निर्देश दिए हैं ताकि जनहित में दोनों ही योजना का क्रियान्वयन हो सके और क्षेत्र के लोग लाभान्वित हो सके.इधर क्षेत्र के लोगों ने राजमहल को मिलने वाले दो सौगात के लिए विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया है.

114 लोगों ने पाई आंखों में रौशनी, लौटे अपने घर

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : जिला प्रशासन कोडरमा एवं इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में संचालित लाईफलाईन एक्सप्रेस प्रोजेक्ट के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 11 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक कोडरमा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर किया जा रहा है। इस विशेष शिविर में जिले के हजारों लोग विभिन्न रोगों के इलाज एवं जांच का लाभ ले रहे हैं। 11 जुलाई से 15 जुलाई तक आयोजित आंख की जाँच एवं मोतियाबिंद सर्जरी के क्रम में आज कुल 114 मरीजों का सफल ऑपरेशन कर उन्हें सकुशल घर भेजा गया। मरीजों एवं उनके परिजनों ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के शिविर

से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग भी बेहतर इलाज का लाभ उठा पा रहे हैं। मरीज रामनारायण प्रसाद, त्रिभुवन सिंह और बाल मुकुंद प्रसाद ने बताया कि मोतियाबिंद की समस्या से लंबे समय से परेशान थे, लेकिन आर्थिक कारणों से इलाज नहीं करवा पा रहे थे। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर की जानकारी मिलने पर उन्होंने जांच कराई और सर्जरी करवाई। उन्होंने कहा, यहाँ चिकित्सकों ने बहुत अच्छे से इलाज किया, अब हमें पहले से बहुत अच्छा दिखने लगा है।

अस्पताल परिसर की सफाई पर विशेष ध्यान दें : सिविल सर्जन

संवाददाता

साहिबगंजः सिविल सर्जन साहिबगंज डॉ. रामदेव पासवान द्वारा देर रात रात्रि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मण्डरो का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन एम्बुलेंस कार्डियक एम्बुलेंस एवं 108 एम्बुलेंस की लॉगबुक व चालकों की उपस्थिति की जांच की।डॉ. पासवान ने अस्पताल परिसर की सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने पुराने पोस्टर एवं आईईसी सामग्री को तुरंत हटाने तथा अस्पताल की दीवारों व प्रांगण

को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने का आदेश दिया। बाइक एम्बुलेंस की स्थिति की भी जांच की गई। मौके पर तैनात चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की उपस्थिति की पुष्टि करते हुए उन्होंने संतोष जताया।सिविल सर्जन ने एम ओआईसी को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री संचालन एवं रख-रखाव योजना की निधि को शीघ्र पीएचसी मण्डरो में स्थानांतरित किया जाए, ताकि केंद्र की सुविधाओं में विस्तार किया जा सके।इसके अतिरिक्त, उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में एंटीवेनम सर्पदंश उपचार हेतु आवश्यक दवा की अनिवार्य उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा परिसर में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था हेतु लाईट लगाने के आदेश भी दिए।

सलमान खान ने किया खुलासा

तेरे नाम का लुक आखिर किससे था प्रेरित

नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो का तीसरा सीजन काफी चर्चा में है। इस नए सीजन के पहले एपिसोड में सलमान खान स्पेशल गेस्ट बनकर आएंगे। इस वजह से यह एपिसोड टेलीकास्ट होने से पहले ही सुर्खियां बटोर रहा है। मजेदार बातचीत के दौरान सलमान खान ने खुलासा करते हुए कपिल को बताया कि उनकी फिल्म तेरे नाम का लुक असल में किससे प्रेरित था। बता दें कि सलमान खान का तेरे नाम वाला लुक युवा लड़कों के बीच काफी पॉपुलर हुआ था। सलमान खान ने बताया कि उनका हेयरस्टाइल हमारे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम से प्रेरित था। सलमान खान ने बताया, ये जो तेरे नाम का लुक है, वो असल में डॉ. अब्दुल कलाम साहब से प्रेरित था। उस वक्त राहुल रॉय का भी ऐसा ही हेयरस्टाइल था। मुझे लगता था कि छोटे शहर का हीरो हमेशा लंबे बाल रखते हैं। पुराने जमाने के हीरो भी लंबे बाल रखते थे, मेरा यह लुक वहां से आया था। एपिसोड के दौरान सलमान ने यह भी बताया कि आमिर खान की गौरी स्प्रैट के साथ नए रिश्ते की वजह क्या है। शो के निर्माताओं ने हाल ही में एक छोटा वीडियो रिलीज किया है, जिसमें कपिल, सलमान से कहते हैं, आमिर भाई ने अभी-अभी अपनी गर्लफ्रेंड को फैंस से मिलवाया। वह रुकने वाले नहीं हैं, लेकिन आप तो अभी शुरू भी नहीं हुए। इस पर हंसते हुए सलमान जवाब देते हैं, आमिर तो कुछ अलग ही हैं। वो परफेक्शनिस्ट हैं, जब तक शादी को भी परफेक्ट नहीं बना लेते...। इतना कहने पर ही सभी हंसने लगते हैं। वीडियो के आखिर में सलमान और कपिल एक साथ सुपरहिट फिल्म प्यार किया तो डरना क्या का हिट गाना ओ ओ जाने जाना गाते हुए नजर आते हैं।

माधुरी के शब्दों ने चलाया अंकिता लोखंडे पर जादू

बोलीं- सिर्फ अपने लिए नाचती हूं

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे की अदाकारी से सब वाकिफ हैं। मगर, डांस के मामले में भी वे कम नहीं। आज शनिवार को उन्होंने अपना एक वीडियो शेयर कर डांस के लिए अपनी दीवानगी जाहिर की है।

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे अपनी अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। यह उनका प्रोफेशन है। मगर, शौक भी बड़ी चीज है और बात अगर अंकिता के शौक की करें तो उनका मन डांस में रमता है। आज सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उन्होंने डांस के प्रति अपनी दीवानगी जाहिर की है। साथ ही यह बताया कि इस मामले में माधुरी दीक्षित के शब्द उन पर जादू कर गए हैं।

हर भावना व्यक्त करने का तरीका डांस

अंकिता लोखंडे ने आज शनिवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक डांस वीडियो शेयर किया है। वे ब्लैक कलर के आउटफिट पहने मेरे नाम तू गाने पर डांस करती दिख रही हैं। इसके साथ अंकिता लोखंडे ने लिखा है, जन्म से ही नृत्य मेरी भाषा रही है। ब्रह्मांड से मिला एक उपहार। इसे सीखा नहीं गया, बल्कि महसूस किया गया। यह मेरी हर भावना को व्यक्त करने का तरीका है।

करियर पर पड़ा अदिति की शादी का असर, अभिनेत्री बोलीं- ज्यादा फिल्मों के ऑफर नहीं मिले हैं

फिल्म इंडस्ट्री में शादी के बाद अभिनेत्रियों का करियर प्रभावित होता है। फिल्मों के ऑफर को लेकर अदिति राव हैदरी की हालिया टिप्पणी भी कुछ यही संकेत दे रही है।

फिल्म इंडस्ट्री में बेशक बदलाव आया है। हीरोइनों को अब पहले से मजबूत भूमिकाएं मिल रही हैं। शादी और बच्चों के बाद भी वे इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। मगर, एक सच्चाई ये भी है कि शादी के बाद जहां अभिनेताओं के करियर पर बड़ा असर नहीं होता, लेकिन अभिनेत्रियों का करियर किसी न किसी रूप में प्रभावित होता है। शादी के बाद अदिति राव हैदरी भी कुछ ऐसा ही महसूस कर रही हैं।

शादी के बाद कैसा है अदिति का करियर?

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी और एक्टर सिद्धार्थ ने बीते वर्ष सितंबर में शादी रचाई। काफी समय एक-दूसरे को डेट करने के बाद कपल शादी के बंधन में बंधा। हाल ही में अदिति राव हैदरी शादी के बाद अपने करियर को लेकर बात करती दिखीं। उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है।

शादी के बाद अभिनेत्रियों के सामने आती है चुनौतियां

तेलुगु 123 की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में एक बातचीत में अदिति राव हैदरी ने खुलासा किया कि शादी के बाद से उन्हें बहुत ज्यादा फिल्मों के ऑफर नहीं मिले हैं।

अपनी खूबसूरती और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली अदिति की इस टिप्पणी से पता चलता है कि निजी जिंदगी में महत्वपूर्ण पड़ाव के बाद अभिनेत्रियों को अक्सर इंडस्ट्री में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

नजरिया बदलने की जरूरत

अदिति की लोकप्रियता और अदाकारी को देखते हुए दर्शकों के लिए इस पर यकीन करना शायद मुश्किल हो कि उन्हें फिल्मों के कम ऑफर मिल रहे हैं। हालांकि, वे अपने करियर को लेकर सकारात्मक हैं। फिर भी अदिति की टिप्पणी ने इस बात पर जोर दिया है कि शादी के बाद अभिनेत्रियों के प्रति नजरिया बदलने की जरूरत है। अदिति को बीते वर्ष सीरीज हीरामंडी में देखा गया। इसमें उन्होंने बिब्बोजान का किरदार निभाया था।

योग से मुझे आज के पल में

जीने की ताकत मिली: संदीपा धर

कई फिल्मों और टीवी शोज का हिस्सा रहीं एक्ट्रेस संदीपा धर ने अपनी योग यात्रा को अनोखा बताया। खुलासा किया कि कैसे समय के साथ उनका योग के साथ रिश्ता बदलता गया और मजबूत होता गया। संदीपा ने कहा कि पहले उनके लिए योग सिर्फ एक एक्सरसाइज था, लेकिन अब यह उनके जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। योग ने उन्हें न केवल शारीरिक रूप से फिट बनाया, बल्कि मानसिक शांति और संतुलन भी दिया है। योग से वह खुद से जुड़ पाती हैं। इस बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, करीब दस साल पहले मैंने योग मैट पर कदम रखा था, लेकिन उस समय मेरा मकसद वजन कम करना और फिट रहना था। मैंने पावर योग को चुना क्योंकि यह तेज, असरदार और जल्दी नतीजे देता है। लेकिन उन शुरुआती योगासन से अब के दौर के समय में, योग ने मुझे बहुत कुछ चीजें सिखाई हैं, जो मुझे पता ही नहीं थीं। मैं गलत तरीके से सांस ले रही थी। संदीपा के लिए, योग अब सिर्फ शरीर को फिट बनाने का तरीका नहीं रहा। यह उनके लिए एक ऐसा जरिया बन गया है जिससे उन्होंने सांस लेने जैसी सबसे जरूरी और बुनियादी चीज को गहराई से सीखा है। योग के जरिए उन्हें खुद को पूरी तरह से वर्तमान पल में जीना सीखने में मदद मिली है। संदीपा ने आगे कहा, यह सुनने में तो बहुत आसान लगता है, है ना? लेकिन आज की भागदौड़ भरी दुनिया में हम सही तरीके से सांस लेना ही भूल गए हैं। योग ने न सिर्फ मेरे शरीर को संतुलन दिया है, बल्कि मुझे मेरी सांस भी वापस दी है।

बॉयफ्रेंड संग एयरपोर्ट पर दिखीं अंजलि अरोड़ा, शादी के सवाल पर टीवी एक्ट्रेस का रिएक्शन वायरल

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें 'लॉकअप' फेम टीवी एक्ट्रेस अंजलि अरोड़ा को अपने बॉयफ्रेंड के साथ एयरपोर्ट पर देखा गया है। टीवी एक्ट्रेस और सोशल मीडिया स्टार अंजलि अरोड़ा को हाल में एयरपोर्ट पर देखा गया है, जिसमें उन्हें अपने बॉयफ्रेंड के साथ भी देखा जा सकता है। इसके अलावा शादी के सवाल पर उनका रिएक्शन तेजी से वायरल हो रहा है।

क्या है वायरल वीडियो?

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें अंजलि अरोड़ा को अपना बैग लेकर एयरपोर्ट से बाहर आते देखा जा रहा है। इस वीडियो में टीवी एक्ट्रेस ने सूट पहन रखा है, जिसमें वो प्यारी दिख रही हैं। बाहर आते ही उनके बॉयफ्रेंड आकाश संसनवाल उनका बैग पकड़ लेते हैं और दोनों एक-दूसरे के गले भी मिलते हैं। उसी दौरान एक पैपराजी एक्ट्रेस से सवाल करता है कि वो शादी कब कर रही हैं। उनके जवाब में उन्होंने कहा क्या हो गया आप लोगों को। हालांकि, इस जवाब पर वो खुद हंसने लगती हैं।

नेटिजंस दे रहे प्रतिक्रियाएं

इस वीडियो के सामने आते ही यूजर्स प्रतिक्रियाएं देते दिख रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि अंजलि अरोड़ा ने अपने जीवन बहुत कुछ हासिल कर लिया है और लोग उन्हें बदनाम ही करते रह गए। दूसरे यूजर ने कहा कि वो बहुत सुंदर दिख रही हैं। वहीं एक और यूजर ने मजाक में बोला कि क्या फैशन है भाई। इसके अलावा अन्य यूजर ने लिखा कि कच्चा बादाम।

अंजलि अरोड़ा के बारे में कंगना रनौत के शो लॉकअप से मॉडल, टीवी एक्ट्रेस अंजलि अरोड़ा को काफी पहचान मिली। इसके साथ ही उन्होंने कच्चा बादाम गर्ल बनकर सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरी थीं। आज वो इंटरनेट की एक स्टार बन गई हैं। इसके अलावा उन्होंने कई सॉन्ग भी किए हैं और कुछ फिल्मों में भी काम किया है।

लाइव परफॉर्मेंस चुनौतीपूर्ण लेकिन मजेदार होती है

प्लेबैक सिंगर जोनिता गांधी हाल ही में रिलीज हुए नए गाने बेपरवाई की सफलता का आनंद ले रही हैं। उन्होंने लाइव ऑडियंस के सामने परफॉर्म करने के अनुभव के बारे में बात की है। जोनिता गांधी ने आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि लाइव परफॉर्मेंस करते समय उन्हें हमेशा सतर्क रहना पड़ता है, क्योंकि स्टेज पर गाते वक्त एक साथ बहुत सी चीजें होती हैं, जिन पर ध्यान देना पड़ता है। जोनिता गांधी ने कहा, लाइव गाना गाते वक्त बहुत ध्यान और तैयारी की जरूरत होती है, क्योंकि आपको सिर्फ एक ही मौका मिलता है।

स्टेज पर जब आप गाना गाते हैं, तो उसी समय सबकुछ सही करना होता है, इसके लिए कोई दूसरा मौका नहीं मिलता। वहीं, स्टूडियो में गाना रिकॉर्ड करते वक्त आप बार-बार रीटेक ले सकते हैं। अगर कुछ गलती हो जाए या कुछ अच्छा न लगे, तो उसमें सुधार सकते हैं और दोबारा गा सकते हैं। लेकिन, लाइव परफॉर्मेंस में ऐसा नहीं होता, आपको एक ही बार में सबकुछ सही करना होता है और यही बात इस काम को मजेदार और चुनौतीपूर्ण बनाती है। लाइव परफॉर्मेंस में कई तरह की चुनौतियां होती हैं। सिर्फ गाना ही नहीं, कलाकार को और भी कई चीजों का ध्यान रखना पड़ता है। उन्हें खास तरह से दिखना होता है और स्टेज प्रोडक्शन का भी ध्यान रखना पड़ता है। यह सब एक साथ करना मुश्किल होता है।

इन सबसे कलाकार कैसे निपटते हैं? इस सवाल के जवाब में जोनिता ने कहा, जब आप लाइव परफॉर्म करते हैं, तो सिर्फ गाना नहीं होता, साथ में बहुत सारी चीजें होती हैं, जैसे लाइटिंग, कोरियोग्राफी, आउटफिट, चेहरे के एक्सप्रेशन, इन सबका ध्यान रखना होता है। जबकि, स्टूडियो में गाते समय, इन चीजों की जरूरत नहीं होती। वहां आप बस गाना गाते हैं या कुछ नया बनाते हैं। लेकिन, स्टेज पर ये सारी चीजें नहीं होती हैं, इन सब चीजों को एक बोझ की तरह नहीं, बल्कि एक मौका मानना चाहिए।

लुका मोड्रिक एसी मिलान से जुड़े, एक साल का किया करार

नई दिल्ली : क्रोएशिया के कप्तान और दिग्गज मिडफील्डर लुका मोड्रिक ने रियल मैड्रिड से 13 साल का लंबा सफर खत्म कर इटली के प्रसिद्ध क्लब एसी मिलान के साथ एक साल का करार किया है। इस अनुबंध को जून 2027 तक बढ़ाने का विकल्प भी शामिल है। सोमवार को सीरी ए क्लब एसी मिलान ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की। 39 वर्षीय मोड्रिक की मिलान में एंट्री की पुष्टि क्लब के नए कोच मास्सिमिलियानो एलेग्री ने इस महीने की शुरूआत में ही कर दी थी। मोड्रिक मिलान के लिए जर्सी नंबर 14 पहनेंगे। मोड्रिक को दुनिया के महानतम मिडफील्डरों में गिना जाता है। उन्होंने मई में घोषणा की थी कि क्लब वर्ल्ड कप के बाद वह रियल मैड्रिड को अलविदा कहेंगे। उन्होंने स्पेनिश क्लब के लिए 597 मैच खेले और 28 ट्रॉफियां जीतीं, जिनमें चार ला लीगा और छह चैंपियंस लीग खिताब शामिल हैं। रियल मैड्रिड के लिए उन्होंने अपना अंतिम मुकाबला बुधवार को खेला, जिसमें वह क्लब वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पेरिस सेंट जर्मेन के खिलाफ दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के रूप में उतरे। इस मैच में रियल को 0-4 की हार झेलनी पड़ी। मैच के बाद रियल मैड्रिड के मैनेजर और पूर्व खिलाड़ी जाबी अलोंसो ने कहा, यह एक कड़वा अंत है... वह विश्व फुटबॉल और रियल मैड्रिड के लिए एक लीजेंड हैं। उन्हें उनके शानदार योगदान के लिए हमेशा याद किया जाएगा, न कि आज के 25 मिनट के खेल के लिए।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को तीसरे टेस्ट में 176 रन से हराया, श्रृंखला 3-0 से जीती

एजेंसी

सबिना पार्क, जमैका : ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने सोमवार (भारतीय समयानुसार मंगलवार) को अपने 100वें टेस्ट मैच को यादगार बनाते हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। पिंक बॉल से खेले जा रहे इस मुकाबले के तीसरे दिन उन्होंने महज 9 रन देकर 6 विकेट झटके, जिसमें उनके टेस्ट करियर का 400वां विकेट भी शामिल था। वहीं स्कॉट बोलैंड ने हैट्रिक लेकर वेस्टइंडीज की पारी को पूरी तरह ढहा दिया। वेस्टइंडीज की टीम मात्र 27 रन पर सिमट गई, जो टेस्ट इतिहास का दूसरा सबसे कम स्कोर है। इस शर्मनाक प्रदर्शन के साथ मेजबान टीम को 176 रन से हार का सामना करना पड़ा और ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज पर 3-0 से कब्जा कर लिया। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को जीत के लिए 204 रन का लक्ष्य दिया था। जवाब में स्टार्क ने पहले ही ओवर में तीन विकेट लेकर तहलका मचा दिया। उन्होंने जॉन

कैम्पबेल को पहली गेंद पर आउट किया, फिर केवलॉन एंडरसन को एल्बीडब्ल्यू किया और अगली गेंद पर ब्रैंडन किंग के स्टंप उड़ा दिए। वेस्टइंडीज का स्कोर 0 पर 3 हो गया – जो टेस्ट इतिहास में सिर्फ छठी बार हुआ है। स्टार्क ने अपनी दूसरी ओवर की पहली ही गेंद पर मिकाइल लुईस को पवेलियन भेजा और टेस्ट करियर में 400 विकेट पूरे किए। फिर शाई होप को भी एलबीडब्ल्यू कर दिया। उन्होंने महज 15 गेंदों में पांच विकेट लेकर नया रिकॉर्ड बनाया, जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज पांच विकेट हैं। इसके बाद स्कॉट बोलैंड ने भी कहर बरपाया। उन्होंने जस्टिन ग्रेव्स, शमार जोसेफ और जोमेल वॉरिकन को लगातार गेंदों पर आउट कर हैट्रिक पूरी की। यह वेस्टइंडीज का 14.3 ओवर में समापन था और वे टेस्ट इतिहास के सबसे कम स्कोर (न्यूजीलैंड का 26 रन) से केवल एक रन ज्यादा बना सके – वह भी एक फील्डिंग मिस के चलते। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी 121 रन पर सिमट गई थी। अल्जारी जोसेफ ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट झटके और शमार ने 4 विकेट लिए। हालांकि गेंदबाजों का वर्चस्व शुरू से ही दिखा, जब कैमरन ग्रीन पहली ही गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए थे। फिर भी ग्रीन ने पहली पारी में 46 और दूसरी में 42 रनों की उपयोगी पारियां खेलीं। वेस्टइंडीज के लिए शमार जोसेफ ने सीरीज में 14.95 की औसत से 22 विकेट झटके – जो 1999 के बाद किसी वेस्टइंडीज गेंदबाज द्वारा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

राजस्थान में मूसलाधार बारिश से बाढ़ जैसे हालात, 12 मौतें, कई जिले अलर्ट

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान में बीते 24 घंटों से हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। जलभराव, बिजली गिरने, करंट लगने, भवन गिरने और डूबने की घटनाओं में अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं चंबल नदी में बहे सात लोगों में से छह अभी भी लापता हैं। मौसम विभाग ने मंगलवार को भी प्रदेश के 13 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है, जिनमें तीन जिलों में रेड अलर्ट घोषित किया गया है। कोटा और पाली में स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। राजधानी जयपुर में सोमवार शाम से शुरू हुआ बारिश का सिलसिला मंगलवार सुबह तक जारी है। लगातार 12 घंटे की बारिश से शहर की कॉलोनियों और मुख्य मार्गों पर जलभराव हो गया है। निचले इलाकों में पानी भरने से लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर के अनुसार वर्तमान में दो प्रमुख मौसम तंत्र सक्रिय हैं, जिनके कारण प्रदेश में भारी वर्षा का दौर बना हुआ है। पहला दबाव क्षेत्र दक्षिण-पूर्व गंगीय पश्चिम बंगाल और उससे सटे बांग्लादेश पर बना हुआ है। यह अवदाब क्षेत्र पिछले 6 घंटों के दौरान 8 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ा है और वर्तमान में यह कोलकाता से लगभग 90 किलोमीटर उत्तर और बर्दवान से 50 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। इसके आगामी 24 घंटों के दौरान भी इसी दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है। दूसरा सक्रिय तंत्र पूर्वोत्तर राजस्थान और उससे सटे उत्तर-पश्चिमी मध्यप्रदेश पर स्थित एक सुस्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र है। यह भी पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में गति कर रहा है और अगले दो दिनों तक राजस्थान के विभिन्न हिस्सों को प्रभावित कर सकता है। इन मौसमी तंत्रों के प्रभाव से प्रदेश के कई क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश की संभावना बनी हुई है। कोटा शहर में नालों के उफान पर आने और लगातार वर्षा से कई कॉलोनियों में कमर तक पानी भर गया। अनंतपुरा, सुभाष विहार, बोरखेड़ा, काशी धाम, प्रताप नगर, देवली अरब रोड समेत कई क्षेत्रों में जनजीवन पूरी तरह ठप हो गया। सुभाष विहार कॉलोनी में नाले के कारण जलभराव की समस्या विकराल हो गई, जहां जनहानि से बचाव के लिए बिजली सप्लाई बंद करनी पड़ी। बारिश के बीच मगरमच्छ दिखने की सूचना से दहशत फैल गई। बंधा धर्मपुरा क्षेत्र में तेज बहाव में एक युवती स्कूटी सहित बह गई, जिसे रेस्क्यू किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पाली जिले में हुई मूसलाधार बारिश से सुकड़ी और लिलड़ी नदियों का जलस्तर बढ़ गया, जिससे शहर के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। सिंधी और राजीव गांधी कॉलोनी में दो से तीन फीट तक पानी भर गया है। रामदेव रोड, आदर्श नगर, वीडी नगर जैसी कॉलोनियों में घरों में पानी घुस गया। हैदर कॉलोनी में एक दुकान ढह गई, जबकि एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई। हालात इतने गंभीर हैं कि जिला कलेक्टर और एसपी को हालात का जायजा लेने ट्रैक्टर पर सवार होकर जाना पड़ा। चित्तौड़गढ़ जिले के रावतभाटा क्षेत्र में तेज बारिश के कारण नाले उफान पर आ गए। धावतकला गांव में खेत में फंसे एक परिवार को झोपड़ी की छत पर रात गुजारनी पड़ी, जिन्हें एसडीआरएफ की टीम ने सुरक्षित बाहर निकाला। इसी क्षेत्र के कुम्हार मोहल्ला निवासी 12 वर्षीय हनी बरसाती नाले में बह गया, जिसका शव सोमवार दोपहर पुलिया के पास मिला। उदयपुर के झाड़ोल क्षेत्र में बदराणा और टीडी नदी के उफान पर आने से कई मार्ग बाधित हो गए। दो युवक नहाते वक्त नदी में बह गए, जिन्हें समय रहते बचा लिया गया। मावली क्षेत्र में स्कूल बस अंडरपास में फंस गई, जिसे ट्रैक्टर की मदद से बाहर निकाला गया।

नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से मिले मुख्यमंत्री धामी

एजेंसी

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से भेंट की है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 5 जल विद्युत परियोजनाओं के क्रियान्वयन का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री से उत्तराखंड के सामाजिक और आर्थिक विकास को गति प्रदान करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शों के क्रम में विशेषज्ञ समिति की ओर से संस्तुति की गई राज्य की 21 जल विद्युत परियोजनाओं में 5 जल विद्युत परियोजनाओं के क्रियान्वयन का अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को सकारात्मक कार्यवाही के प्रति आश्वस्त किया।

कोरोना में बंद 13 ट्रेनों का संचालन आज से फिर शुरू होगा

रायपुर : कोरोना काल के दौरान छत्तीसगढ़ में बंद की गई 13 से अधिक लोकल ट्रेनों का संचालन आज से शुरू हो जाएगा। रेलवे बोर्ड से अनुमति मिलने के बाद इन्हें दोबारा शुरू करने का फैसला दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) ने लिया है। इन सभी ट्रेनों का संचालन आज से शुरू हो जाएगा। ये ट्रेनें पुराने निर्धारित समय में चलेंगी । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा इन ट्रेनों को चरणबद्ध तरीके से फिर से शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इससे दुर्ग, राजनांदगांव, गोंदिया, कटंगी, रायपुर, डोंगरगढ़ और बालाघाट जैसे छोटे-बड़े स्टेशनों पर यात्रा करने वालों को राहत मिलेगी। राजनांदगांव के सांसद संतोष पांडेय ने बताया कि उन्होंने इस विषय को लेकर केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से कई बार चर्चा की और जून की मंडल स्तरीय बैठक में भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था।
रेलवे प्रशासन के अनुसार, 15 जुलाई से गोंदिया-कटंगी, रायपुर-डोंगरगढ़, रायपुर-गेवरा रोड, तूमसर रोड-बालाघाट समेत 13 मेमू और डेमू लोकल ट्रेनों का संचालन शुरू किया जाएगा।

ताइवान के वायु क्षेत्र में घुसे चीन के सैन्य विमान

एजेंसी

ताइपे (ताइवान) : चीन अपनी विस्तारवादी नीति से बाज नहीं आ रहा। आज सुबह चीन के सैन्य विमानों ने ताइवान में घुसपैठ की। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा कि मंगलवार सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) तक ताइवान के आसपास 26 चीनी सैन्य विमानों, सात नौसैनिक जहाजों और एक आधिकारिक जहाज को सक्रिय होते देखा गया। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार, चीन के 26 सैन्य विमानों में से 21 ने मध्य रेखा पार करके ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। ताइवान के सशस्त्र बलों ने माकूल जवाब देने के लिए अपने विमान, नौसैनिक जहाज और तटीय मिसाइल प्रणालियां तैनात कीं। एक अन्य एक्स पोस्ट में रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सशस्त्र बलों ने रात्रिकालीन रन-वे मरम्मत अभ्यास किया। साथ ही दूरस्थ द्वीपों पर सैनिकों ने आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को बढ़ाने के लिए भोर में लाइव फायर अभ्यास किया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 12 जुलाई को भी चीन ने ताइवान में घुसपैठ की थी। तब ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि सुबह ताइवान के आसपास चीन के 14 सैन्य विमानों, नौ नौसैनिक जहाजों और एक आधिकारिक जहाज को देखा गया। मंत्रालय ने एक्स पोस्ट पर यह विवरण साझा करते हुए कहा था कि ताइवान के सशस्त्र बल स्थिति पर नजर रख रहे हैं। ताइपे टाइम्स अखबार की हालिया खबर के अनुसार, चीन अपने जहाजों के माध्यम से ताइवान इलाके में गुआम के आसपास समुद्री तल का मानचित्रण कर रहा है। इससे उसे समुद्र के नीचे केबल बिछाने में मदद मिल सकती है और वह इसका सैन्य उपयोग भी कर सकता है।

न्यूयॉर्क और पांच उपनगरों में तूफान से तबाही, न्यू जर्सी में आपातकाल

न्यूयॉर्क : संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क और पांच उपनगरों में तूफान से भारी तबाही हुई है। सब-वे और राजमार्गों पर पानी भर गया है। प्रशासन ने भारी बारिश की सभी पांच उपनगरों में बाढ़ की चेतावनी जारी की । न्यू जर्सी के गवर्नर फिलिप डी. मर्फी ने हालात के मद्देनजर आपातकाल की घोषणा की। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, सोमवार रात न्यूयॉर्क शहर और उसके उपनगरों में भारी बारिश हुई है। इससे मेट्रो सिस्टम के कुछ हिस्सों में पानी भर गया। प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गईं। इसका असर विमानों के आगमन और प्रस्थान पर भी पड़ा। धीमी गति के इस तूफान ने मध्य-अटलांटिक के बड़े हिस्से को पानी-पानी कर दिया। इस वजह से मध्य वर्जीनिया से न्यूयॉर्क शहर तक अचानक बाढ़ आ गई। बाढ़ का पानी मेट्रो ट्रेन के डिब्बों में घुस गया। इस दौरान वाहन जलमग्न हो गए। बाढ़ के पानी ने एक पेट्रोल पंप के ईंधन पंपों को तहस-नहस कर दिया। मौसम विज्ञानी जो वेगमैन ने बताया कि कुछ इलाकों में सात इंच तक बारिश हुई। सोमवार देर रात तूफान कमजोर पड़ गया। सोमवार रात राष्ट्रीय मौसम सेवा ने न्यूयॉर्क के सभी पांच उपनगरों में बाढ़ की चेतावनी जारी की। आपातकालीन प्रबंधन विभाग ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को ऊंचे स्थानों पर जाने के लिए आगाह किया। न्यूयॉर्क शहर के आपातकालीन प्रबंधन विभाग के अनुसार, क्वींस के रिचमंड हिल इलाके में बिजली गुल होने से लगभग 1,000 लोग प्रभावित हुए।
मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्टेशन अथॉरिटी ने रात लगभग 11 बजे से पहले बताया कि मैनहट्टन में कई सब-वे स्टेशनों में पानी भर जाने के कारण निलंबित की गई 1, 2 और 3 सब-वे लाइनों पर सेवा बहाल कर दी गई है। एमटीए ने बताया कि स्टेटन आइलैंड रेलवे ने भी दोनों दिशाओं में परिचालन फिर से शुरू कर दिया है। इस दौरान एमटीए ने ग्रैंड सेंट्रल स्टेशन से आने-जाने वाली हार्लेम और न्यू हेवन रेल लाइनों पर देरी और संभावित निलंबन की चेतावनी दी। न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के बीच एनजे ट्रांजिट के कई बस मार्गों को परिवर्तित कर दिया गया है। एनजे ट्रांजिट के अनुसार,

मप्र में नशे से दूरी है जरूरी अभियान का आज पहला दिन, पुलिस 30 जुलाई तक करेगी आमजन को जागरुक

एजेंसी

भोपाल : नशा कई जिंदगियों को बर्बाद करने का कारण बन रहा है। प्रदेश में आए कई मामलों को देखते हुए आज यानी कि 15 जुलाई ने मध्?य प्रदेश पुलिस नशामुक्त राज्?य बनाने की दिशा में एक वृहद जन-जागरूकता अभियान ₹नशे से दूरी झ है जरूरी₹की शुरूआत करने जा रही है। यह अभियान 30 जुलाई 2025 तक पूरे राज्य में संचालित किया जाएगा। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में यह अभियान पुलिस मुख्यालय की नारकोटिक्स विंग द्वारा चलाया जाना है। इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नारकोटिक्स) के. पी. वेंकटेश्वर राव का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य किशोरों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना, उन्हें इस लत से दूर रखना और जो लोग पहले से नशे की गिरफ्त में हैं, उन्हें उचित परामर्श और सहयोग प्रदान कर पुनर्वास की दिशा में मार्गदर्शन देना है।उन्होंने बताया कि इस जन-जागरूकता अभियान में विभिन्न शासकीय विभाग, गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), धमार्चार्य, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, और ग्राम एवं नगर सुरक्षा समितियां सक्रिय रूप से भाग लेंगी। समाज के सभी वर्गों के सहयोग से समाज के हर वर्ग तक संदेश पहुंचाया जाएगा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, पूरे समाज को प्रभावित करता है इससे दूरी रखना नितांत आवश्यक है। यह अभियान स्कूलों, कॉलेजों, सार्वजनिक स्थलों और डिजिटल माध्यमों के जरिए जन-जागृति फैलाने का कार्य करेगा। उल्लेखनीय है कि एक हालिया सम्मेलन में यह बताया गया कि भारत में ड्रग उपयोगकर्ता लगभग 25 करोड़ हो सकते हैं, जबकि आधिकारिक आंकड़े केवल 10 करोड़ दिखाते हैं। इनमें से लगभग 4 करोड़ पूरी तरह निर्भर हैं और लगभग 2 करोड़ इंजेक्ट करने वाले ड्रग यूजर हैं । इससे जुड़ा एक राष्?ट्रीय सर्वेक्षण छह साल पूर्व 2019 में हुआ था, उसके आंकड़ें देखें तो अल्कोहल : 10झ75 वर्ष आयु वर्ग में 14.6% यानी कि 16 करोड़ उपयोगकर्ता; 5.2% (लगभग 5.2 करोड़) की जनसंख्?या इसमें संलिप्?त पाई गई । कैनाबिसः 2.8% (3.1 करोड़); इनमें से लगभग 0.66% (72 लाख) लोग इससे जुड़े मिले। जिसमें कि ओपियॉइड्सः 2.06% (2.3 करोड़); करीब 0.55% (60 लाख) को उपचार की आवश्यकता थी । अन्य नशीले तत्वों में सेडेटिव्स में 1.08% (1.18 करोड़), इनहेलेंट्स में 1.7% युवा, वयस्कों में 0.58% (18 लाख बच्चों को सहायता की आवश्यकता महसूस की गई थी। देश में उस वक?त इंजेक्टिंग ड्रग यूजर्स की संख?या 8.5 लाख मिली थी। इसके साथ यह भी ध?यान में आया है कि पुरुषों के साथ महिलाओं में भी नशे की लत बढ़ती जा रही है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में मामूली तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज के कारोबार की सपाट स्तर पर मिली-जुली शुरूआत हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। हालांकि थोड़ी ही देर बाद बिकवालों ने दबाव बनाना शुरू कर दिया, जिसकी वजह से बाजार की चाल में गिरावट आ गई। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.08 प्रतिशत और निफ्टी 0.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।
आज प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हीरो मोटोकॉर्प, सन फार्मास्युटिकल्स, आयशर मोटर्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और इंडसइंड बैंक के शेयर 1.65 प्रतिशत से लेकर 0.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, एचसीएल टेक्नोलॉजी, एटरनल, सिप्ला, जेएसडब्ल्यू स्टील और टाटा स्टील के शेयर 2.77 प्रतिशत से लेकर 0.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,437 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,880 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 557 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 10 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 31 शेयर हरे निशान में और 19 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।
बीएसई का सेंसेक्स आज 20.30 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 82,233.16 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में ये सूचकांक उछल कर 82,462.38 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 61.17 अंक की मजबूती के साथ 82,320.63 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 7.20 अंक की मामूली तेजी के साथ 25,089.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले 15 मिनट के कारोबार में ही ये सूचकांक उछल कर 25,155.80 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 25.35 अंक की उछाल के साथ 25,107.65 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 247.01 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 82,253.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 67.55 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,082.30 अंक के स्तर पर

न्यूज IN ब्रीफ

पंजाब विस में फौजा सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

चंडीगढ़ : पंजाब विधानसभा में मंगलवार को 114 वर्षीय मैराथन धावक फौजा सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही संसदीय कार्यमंत्री रवजोत सिंह ने कहा कि फौजा सिंह पंजाब ही नहीं पूरे देश का मान थे। उन्होंने सिख समुदाय और पंजाबियों का नाम पूरे विश्व में रोशन किया। पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि 114 वर्ष की आयु में भी फौजा सिंह युवाओं के लिए प्रेरणा थे। उनके नाम कई रिकॉर्ड हैं। स्पीकर ने इंग्लैंड में फौजा सिंह की उपलब्धियों के बारे में सदन को बताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उल्लेखनीय है कि पंजाब के जालंधर जिले में अपने पैतृक गांव में सोमवार को टहलने निकले 114 वर्षीय फौजा सिंह को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। उन्हें जालंधर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मृत्यु हो गई।

शराब के नशे में पति ने की पत्नी की हत्या

अमेठी : जिले के शुकुल बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत पूरे नजर अली गांव में बीती रात किसी बात को लेकर पति-पत्नी में विवाद हो गया। इसके बाद पति ने पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पूरे नजर अली गांव निवासी राजकुमार गौतम और उसकी पत्नी प्रेमलता के बीच सोमवार की रात किसी बात को लेकर कहा सुनी हो गई। जिसमें दोनों के बीच मारपीट भी शुरू हो गई और इसी मध्य राजकुमार ने अपनी पत्नी प्रेमलता को किसी वस्तु से प्रहार कर दिया। आनन फानन में परिजन प्रेमलता को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शुकुल बाजार पहुंचे। जहां पर इलाज के दौरान प्रेमलता (40) की मौत हो गई। प्रेमलता के 5 बच्चे हैं जिनमें से 2 का विवाह हो चुका है। एक बच्चा छोटा है जिसका रो रोकर बुरा हाल है। बाजार शुकुल के थानाध्यक्ष अभिनेष कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पुलिस पहुंच गई। लाश को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरकर हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मारपीट के समय पति पत्नी दोनों शराब के नशे में थे। राजकुमार को हिरासत में लेकर पूंछ ताँछ की जा रही है।

भोपाल में वायुसेना की अग्निवीर योजना के तहत भर्ती के लिए चयन परीक्षा आज से

भोपाल : भारतीय वायुसेना की अग्निवीर योजना के अंतर्गत युवाओं की भर्ती के लिए चयन प्रक्रिया आज (मंगलवार) से शुरू हो रही है। यह चयन परीक्षा आगामी 26 जुलाई 2025 तक चलेगी। इस भर्ती में बड़ी संख्या में आवेदक शामिल हो रहे है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत होने वाली फिजिकल एक्टिविटी (शारीरिक परीक्षा) के सुचारु संचालन एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा यातायात नियंत्रण निर्णय लिया गया है। प्राप्त निदेर्शों के अनुसार, प्रत्येक दिन प्रातः 6:00 बजे से 8:00 बजे तक वन विहार गेट से धूनीवाले दादाजी मंदिर तक का मार्ग पूर्णतः बंद रहेगा। यह निर्णय भर्ती प्रक्रिया के दौरान अवरोध रहित व्यवस्था, यातायात प्रबंधन एवं सुव्यवस्थित संचालन के उद्देश्य से लिया गया है। नागरिकों से अपील हैं कि वे उक्त समयावधि में वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें तथा प्रशासन को सहयोग प्रदान करें। किसी प्रकार की असुविधा होने पर यातायात दूरभाष नं. 0755-2677340, 2443850 पर सम्पर्क करें।

गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी से बाढ़ का खतरा मडराया, निचले इलाके में फैला पानी

पटना : बिहार में मानसून की सक्रियता के साथ गंगा नदी का जलस्तर भी अब तेजी से बढ़ रहा है, जिससे पटना, बक्सर और भागलपुर में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। आज केंद्रीय जल आयोग और मौसम विज्ञान केंद्र, पटना की रिपोर्ट के अनुसार गंगा नदी पटना के दीघा घाट पर खतरे के निशान (50.45 मीटर) से 2.36 मीटर नीचे (48.09 मीटर) और गांधी घाट पर खतरे के निशान (50.52 मीटर) से 1.51 मीटर नीचे (47.09 मीटर) बह रही है। बक्सर में गंगा चेतावनी स्तर (59.32 मीटर) से 2.87 मीटर नीचे (57.43 मीटर) है। भागलपुर में यह खतरे के निशान (33.68 मीटर) से 3.16 मीटर नीचे (30.52 मीटर) दर्ज की गई। पटना के निचले इलाकों में दानापुर, पंडारक और फतुहा में मंगलवार सुबह से ही पानी प्रवेश करने लगा है, जिससे स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है। दीघा नहर के रास्ते पानी को गंगा में डायवर्ट करने के लिए मोटर पंपों का उपयोग किया जा रहा है। बक्सर में गंगा घाटों की सीढ़ियां डूब चुकी हैं और सहायक नदी कर्मनाशा का जलस्तर भी बढ़ रहा है। भागलपुर में गंगा हर घंटे 1 सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रही है। जिससे सुल्तानगंज, नाथनगर और नवगछिया जैसे क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। जल संसाधन विभाग ने गंगा की सहायक नदियों सोन, गंडक और कोसी, में जलस्तर बढ़ने के कारण अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश के बाणसागर बांध से 1.25 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जो सोन नदी के जरिए गंगा में पहुंच रहा है। उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश ने भी गंगा के जलस्तर को बढ़ाया है। विभाग के अनुसार अगले 2-3 दिनों तक जलस्तर में और वृद्धि हो सकती है।

गया-जहानाबाद और जमुई में अति भारी बारिश का अलर्ट

दक्षिण बिहार के गया, नवादा और जमुई में आज अति भारी बारिश का अलर्ट है। जबकि पटना, बेगूसराय, मुंगेर और भागलपुर में भारी बारिश और वज्रपात की चेतावनी है। पिछले 48 घंटों में वज्रपात से 8 से अधिक मौतें हुई हैं, जिसके चलते लोगों को खुले मैदानों और पेड़ों के नीचे न रुकने की सलाह दी गई है। बिहार सरकार ने जिला प्रशासनों को अलर्ट रहने और राहत सामग्री, नाव और सामुदायिक रसोई की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

स्कूलों में अर्द्धवृताकार बैठने की पद्धति लागू करना समस्या का समाधान नहीं : शिक्षाविद

कोलकाता : शिक्षा व्यवस्था में सुधार के नाम पर विद्यालयों में अर्द्ध वृताकार बैठने की पद्धति को तेजी से लागू करने की पहल की जा रही है। दावा है कि इस व्यवस्था से पिछली बेंच की हीनभावना समाप्त होगी और सभी छात्र शिक्षक के करीब होकर समान रूप से लाभान्वित होंगे। हालांकि शिक्षाविदों और शिक्षा पर गंभीर दृष्टिकोण रखने वाले लोगों का मानना है कि सिर्फ बैठने की बनावट से शिक्षा की गुणवत्ता नहीं सुधरती, जब तक मूलभूत कमियों पर काम न किया जाए। हुगली जिले के प्रतिष्ठित हिंदी विद्यालय रिषड़ा विद्यापीठ हाई स्कूल के प्रधान शिक्षक और जिले के जाने माने शिक्षाविद प्रमोद कुमार तिवारी का कहना है कि शिक्षा कोई एकरेखीय प्रक्रिया नहीं है। इसकी सफलता कई कारकों पर निर्भर करती है—जैसे छात्रों की रुचि, संशाधनों की उपलब्धता, शिक्षकों की योग्यता, पाठ्यक्रम की संरचना और मूल्यांकन प्रणाली। वर्तमान में 30 से अधिक शिक्षण विधियों का उपयोग दुनिया भर में होता आ रहा है—मांटेसरी, डाल्टन, खोज पद्धति, वैज्ञानिक विधि, संवाद विधि इत्यादि। यदि कोई एक पद्धति पूर्ण होती, तो इतनी विधाएं जन्म ही नहीं लेतीं। तिवारी का मानना है कि शिक्षा को संवेदनशीलता, रुचि-आधारित मार्गदर्शन और शिक्षक की प्रेरक उपस्थिति की आवश्यकता है, नाकि 'कॉस्मेटिक बदलाव' की। तिवारी ने सवाल उठाया, ₹क्या अर्द्ध वृत में बैठाने भर से किताबों की गुणवत्ता या शिक्षक की तैयारी बदल जाएगी?₹ उनका मानना है कि बच्चों को उनके स्वाभाविक कौशल के अनुरूप दिशा देना जरूरी है, न कि केवल फर्नीचर और बैठने की शैली में बदलाव कर देना। प्रख्यात क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, ₹अगर उन्हें अर्द्ध वृत में बैठाकर पढ़ाया जाता तो क्या वे शिक्षाविद बन जाते? उन्होंने यह भी जोड़ा कि फिल्मों में दिखाई जाने वाली भावनात्मक और आदर्श शिक्षण स्थितियां वास्तविकता से दूर होती हैं। शिक्षा व्यवस्था सुधारने के लिए जमीनी प्रयास, नीतिगत दृढ़ता और व्यवहारिक समझ की आवश्यकता है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा, ह्लपान मसाले का प्रचार अगर अमिताभ बच्चन कर दें, तो भी वह अमृत नहीं बन सकता।

हवा के हल्के झोंके से ही उड़ा नगर परिषद का सांकेतिक बोर्ड

अररिया : फारबिसगंज नगर परिषद अपनी कारगुजारियों के कारण हमेशा चर्चा में बना रहता है ।गुणवत्ताविहीन विकास कार्य नगर परिषद प्रशासन की शगल बनती जा रही है इसी कड़ी में फारबिसगंज नगर परिषद में जनता की गाढ़ी कमाई से भरे जाने वाले टैक्स के पैसे से नप क्षेत्र में सांकेतिक बोर्ड लगाया जा रहा है। हालांकि लग रहे सांकेतिक बोर्ड में भारी घालमेल होने और मोटी कमीशन लेकर काम करवाए जाने का आरोप नगर परिषद के चुने हुए जनप्रतिनिधि ही लगाते हुए जांच की मांग कर रहे हैं ।बावजूद इसके नगर परिषद प्रशासन और मुख्य पदों पर बैठे जनप्रतिनिधियों के कानों तक में जूं तक नहीं रेंग रही है।

न्यूज IN ब्रीफ

ड्यूटी से गायब डॉ अपूर्वा दत्ता को सिविल सर्जन ने किया शोकॉज

धनबाद : सदर अस्पताल के प्रसूति विभाग में ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ अपूर्वा दत्ता से सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा ने स्पष्टीकरण मांगा है। डॉ दत्ता रविवार को ड्यूटी के समय अस्पताल से गायब थे। सिविल सर्जन के स्तर से जारी स्पष्टीकरण में कहा गया है कि रविवार की सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक डॉ दत्ता की ड्यूटी एलआर इमरजेंसी सेवा में थी। वे दो घंटे की देरी से 10 बजे अस्पताल पहुंचे और केवल आधे घंटे में मरीज को देखकर चले गए। इस दौरान एक मरीज को रेफर भी कर दिया।
उनके जाने के बाद इलाज के लिए आए मरीजों ने अस्पताल में डॉक्टर के नहीं रहने पर हंगामा किया। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद ने डॉ दत्ता से संपर्क करने की कोशिश की। उनसे संपर्क नहीं हुआ। व्हाट्सएप संदेश भेजने के बावजूद उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। हंगामा को देखते हुए उपाधीक्षक ने स्वयं इस शिफ्ट में मरीजों को देखा और तीन सीजेरियन डिलीवरी कराई। यह दूसरी बार है जब डॉ दत्ता पर ड्यूटी में अनुपस्थित थे और इससे मरीजों को परेशानी झेलनी पड़ी। सिविल सर्जन ने डॉ दत्ता के ड्यूटी से गायब रहने की घटना को अस्पताल की छवि को धूमिल करने वाला कृत्य बताते हुए 48 घंटे में स्पष्टीकरण का जवाब तलब किया है। जवाब संतोषजनक नहीं होने पर डॉ दत्ता के खिलाफ सरकार को अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए लिखा जाएगा।

धनबाद के 3.52 लाख मंईयां के खाते में भेजे गए 88 करोड़ रुपए

धनबाद, : जिले में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत मई माह में 3,52,048 लाभुकों को कुल 88 करोड़ एक लाख 20 हजार की राशि का आधार आधारित भुगतान किया गया। यह भुगतान पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए सीधे लाभार्थियों के खातों में ट्रांसफर किया गया है, जिससे महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम साबित हुआ है। जिन लाभुकों ने अभी तक अपने बैंक खाते में आधार सीडिंग नहीं कराई है, वे जल्द से जल्द इसे पूरा करें ताकि योजना का लाभ सुनिश्चित हो सके। सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक नियाज अहमद ने बताया कि जिले में भौतिक सत्यापन का कार्य तेजी से चल रहा है। जिन लाभुकों का सत्यापन लंबित है, वे अपनी नजदीकी आंगनबाड़ी सेविका से संपर्क कर सत्यापन प्रपत्र प्राप्त करें और प्रक्रिया पूरी करें।

आठवीं में पढ़नेवाले 4795 छात्र-छात्राओं को मिलेगी साइकिल

धनबाद : डीसी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में साइकिल वितरण योजना के तहत आठवीं में अध्ययनरत 4794 एसटी, एससी, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ी जाति के छात्र-छात्राओं के बीच निःशुल्क साइकिल का वितरण किया जाएगा। इसके लिए जिलास्तरीय साइकिल वितरण अनुमोदन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में हुई। जिला कल्याण पदाधिकारी ने निःशुल्क साइकिल वितरण के अनुमोदन के लिए समिति के समक्ष प्रस्ताव रखा गया, जिसे उपायुक्त की अध्यक्षता में अनुमोदन की स्वीकृति प्रदान की गई। डीसी अदित्य रंजन ने कहा कि निःशुल्क साइकिल वितरण योजना का लाभ मिलने से बच्चों को स्कूल आने-जाने में आसानी होगी। उन्होंने डीईओ एवं डीएसई को निर्देशित किया कि बचे हुए विद्यार्थियों का जाति प्रमाण पत्र बना कर योजना का लाभ सुनिश्चित कराएं। मौके पर जिला कल्याण पदाधिकारी नियाज अहमद, डीईओ अभिषेक झा, डीएसई आयुष कुमार मौजूद रहे।

महिला और दिव्यांग बोगी से दर्जनभर गिरफ्तार

जमशेदपुर : टाटानगर के आरपीएफ जवानों ने सोमवार को लोकल ट्रेनों में औचक जांच अभियान चलाकर महिला बोगी से सात पुरुषों को पकड़ा जबकि दिव्यांग बोगी से भी कई सामान्य यात्री को पकड़कर रेलवे प्रावधान उल्लंघन का केस दर्ज किया है। इसके अलावा अवैध हॉकर, लाइन पार करने और स्टेशन पर गंदगी चलाने के आरोप में भी कईयो को पकड़कर टाटानगर रेलवे कैंप कोर्ट में पेश किया है, जहां से सभी जुमार्ना देकर रिहा हो गए। बताया जाता है कि रेल संपत्ति चोरी मामले में फरार वारंटी को गिरफ्तार आरपीएफ ने जेल भेजा है।

परसुडीह में कल दौड़ेगा रेलवे का बुलडोजर

जमशेदपुर : वंदे भारत ट्रेन की कोचिंग डिपो बनाने और नई लाइन बिछाने की योजना से बुधवार को टाटानगर रेलवे इंजीनियरिंग विभाग द्वारा परसूडीह के मकदमपुर क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने की तैयारी है। इंजीनियरिंग विभाग ने विकास योजना के अंतर्गत आने वाले कच्चे के मकानों को चिन्हित कर आरपीएफ की मदद से नोटिस दे चुका है। लेकिन ज्यादातर लोगों ने रेलवे की जमीन को खाली नहीं किया है। इससे रेलवे की जमीन पर से अवैध निर्माण को हटाने के लिए तोड़ने की प्रक्रिया होगी। दूसरी ओर, टाटानगर लोको कॉलोनी में जल्द अतिक्रमण हटाने की तैयारी है। वाशिंग लाइन निर्माण की योजना से करीब ने दो सौ लोगों को नोटिस दिया गया है।

स्टेशन पर रेल कर्मचारियों की हुई एनीमिया जांच

जमशेदपुर : टाटानगर स्टेशन पर मंगलवार को कर्मचारियों व आम लोगों के लिए एनीमिया जांच के लिए शिविर आयोजित किया गया, जहां डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मचारियों की टीम ने दर्जनों महिला पुरुष रेल कर्मचारियों के अलावा स्टेशन पर काम करने वाले एजेंसी के कर्मचारियों की जांच की है।। इससे पूर्व हार्ट अटैक के मरीजों को सहायता देने के लिए स्टेशन पर शिविर लगाया हां जिसका आयोजन फिर जल्द होगा।

चार काउंटर से ही हुआ मरीजों का रजिस्ट्रेशन

धनबाद : धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल के ओपीडी में सोमवार को मरीजों के रजिस्ट्रेशन में परेशानी का सामना करना पड़ा। सप्ताह के पहले दिन होने के कारण ओपीडी में मरीजों की भीड़ अधिक थी। वहीं ओपीडी के पांच रजिस्ट्रेशन काउंटरों में चार से ही रजिस्ट्रेशन किया जा रहा था। एक काउंटर बंद था। इससे अन्य चार काउंटरों पर लंबी कतारें लग गईं और मरीजों को पर्ची बनवाने में काफी देर लगी। भीड़ और अव्यवस्था से परेशान मरीज और उनके परिजन इससे नाराज दिखे।

यात्री से मोबाइल छीनकर ट्रेन से कूदने वाला गया जेल

जमशेदपुर : यात्रियों से मोबाइल छीनकर चलती ट्रेन से कूदने वाले अपराधी प्रकाश दास उर्फ दिग्गी को टाटानगर रेल पुलिस ने पूछताछ के बाद मंगलवार को जेल भेज दिया। प्रकाश दास को आदित्यपुर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 4 से आरपीएफ और चक्रधरपुर मंडल उड़न दस्ता टीम के जवानों ने पकड़ा था। आरपीएफ ने अपराधी को टाटानगर रेल थाना में सौंपने के साथ ही मोबाइल चोरी का केस दर्ज कराया था क्योंकि गिरफ्तारी के दौरान भी एक मोबाइल प्रकाश दास से बरामद हुई थी ।

भारी बारिश भी कम नहीं कर पाई देवघर में श्रद्धालुओं की भक्ति

संवाददाता

देवघर : आज सावन का पांचवां दिन है. पहली सोमवारी के बाद मंगलवार को भी बाबा बैद्यनाथ धाम में शिवभक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली. भारी बारिश भी श्रद्धालुओं की आस्था और उमंग को कम नहीं कर सकी. बता दें कि जिले में सोमवार देर रात से ही लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है.
अगर सावन के पहले सोमवार की बात करें तो इस दिन करीब साढ़े तीन लाख श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक किया. भक्तों की भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन की तरफ से सोमवार को पुख्ता इंतजाम किए गए थे. मंगलवार को भी श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली, लेकिन सोमवार की तुलना में थोड़ी कम रही.
इधर, बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन के तरफ से मंदिर परिसर के आसपास टेंट बनाए गए हैं, ताकि लाइन में जाने वाले श्रद्धालु बारिश से बच सकें. श्रद्धालुओं ने बताया कि कल की तुलना में आज सुबह भीड़ काफी कम थी, इसलिए मंगलवार को सभी श्रद्धालुओं ने आराम से जलाभिषेक किया.
बेहद खास होता है पंचमी के दिन जलाभिषेक करना
मंदिर के वरिष्ठ पुजारी बाबा लंबोदर परिहस्त ने बताया कि आज का दिन पंचमी है. पंचमी के दिन भगवान भोलेनाथ माता पार्वती के साथ कैलाश पर्वत पर वास करते हैं. भगवान भोलेनाथ पर पंचमी के दिन जलाभिषेक करना बेहद ही खास होता है. इस दिन पूजा करने से भक्तों की हर बालाएं दूर हो जाती है. वहीं, मंदिर के पुजारी संजय कुमार ने बताया कि आज के दिन भी भक्तों की उत्साह चरम पर है. सुबह से ही भगवान भोलेनाथ पर जलाभिषेक करने के लिए भक्त मंदिर पहुंच रहे हैं.
बारिश के बीच जलाभिषेक करना, अलग ही आनंद हैः श्रद्धालु
बाबाधाम पहुंचे भक्तों ने कहा कि आज का दिन बहुत ही सुहाना है. बारिश की वजह से मंदिर का दृश्य और भी अच्छा हो गया है. साथ ही लोगों को गर्मी से राहत मिली है. वहीं, जमशेदपुर से आए भक्त आनंद प्रकाश और विकास गरुचिया ने कहा कि सावन के महीने में बारिश के बीच भगवान भोलेनाथ पर जलाभिषेक करने का एक अलग ही आनंद है. ऐसा लगता है कि मानो भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद सीधा भक्तों को प्राप्त हो रहा है. गौरतलब है कि मंगलवार को सुबह की भीड़ देखने के बाद यह अनुमान लगाया जा रहा है कि शाम तक करीब एक लाख श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ पर जलाभिषेक करेंगे.

गुमला पुलिस ने फरार आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

गुमला : पीएलएफआई सदस्य द्वारा गुमला के व्यापारी से पांच लाख रुपए की रंगदारी मांगने वाला फरार अभियुक्त अनिल बाड़ा को गुमला पुलिस ने गिरफ्तार कर, न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक हिरासत में लेते हुऐ भेजा गुमला जेल, ज्ञातव्य हैं की सिमडेगा जिला अंतर्गत स्थित फरसा बेड़ा ग्राम निवासी 35 वर्षीय अनिल बाड़ा (पिता - कल्याण बाड़ा) ने अपने सहित कुल पांच लोगों जिसमें (सिमडेगा जिला क्षेत्र के तीन लोग और बसिया थाना क्षेत्र के दो लोग (कुल पांच लोग) मिलकर , गुमला जिला मुख्यालय के एक व्यापारी से सन् 2023 में पांच लाख रुपया रंगदारी मांगने के आरोप में उन्हें गुमला सदर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुयें , गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत कर और न्यायिक हिरासत में लेते हुऐ गुमला जेल भेज दिया था, बाद में अनिल बाड़ा को न्यायालय से जमानत मिला तो वह फिर न्यायालय में पेश (उपस्थित) होना बंद कर दिया और फरारी

काटने लगा, इसी क्रम में गुमला पुलिस कप्तान हरीश बिन जामां को एक गुप्त सूचना मिली तो उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुयें एक छापामारी दल का गठन किया और एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव के नेतृत्व में गुमला और गुमला सदर थाना प्रभारी महेंद्र कुमार करमाली सहित गुमला सदर थाना के सशस्त्र बल के पुलिस जवानों ने सही समय पर छापामारी कर उसे पुनः गिरफ्तार करने में सफल रहें , बाद में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूर्ण कर एवं आवश्यक पूछताछ के बादअनिल बाड़ा को न्यायालय में प्रस्तुत कर और न्यायिक हिरासत में लेते हुऐ उसे गुमला जेल भेज दिया हैं।

काली पट्टी बांधकर डाक कर्मियों ने किया विरोध प्रदर्शन

संवाददाता

रांची : आज 15 जुलाई को भारतीय डाक कर्मचारी महासंघ के आवाह्न पर झारखंड परिमंडल, हजारीबाग डिवीजन के रामगढ़ कैंट प्रधान डाकघर समेत अन्य डाकघरों में राष्ट्र हित, विभाग हित, कर्मचारी हित और जनहित में अपने कार्यालय में शांति पूर्वक कार्य निर्वहन करते हुए बाह पर काला पट्टी बांधकर अपनी 41 सूत्री मांग भारत सरकार से की है। समर्थन मे सभी डाक कर्मचारियों ने आवाज बुलंद की।
मुख्य मांगो में फील्ड इकाईयों को प्रोत्साहन कार्य और इनडोर कर्मचारी को लक्ष्य निर्धारित करना बंद करें।
फील्ड इकाईयों को दैनिक आधार पर लॉगिन दिवस की यातनाएं देना सख्ती से बंद करें। आठवें वेतन आयोग में कार्यान्वयन में देरी के कारण, 50%महंगाई भत्ता डीए को मूल वेतन में सभी परिणामी लाभों और भत्तों के साथ विलय करे। पूर्वनियोजित पूर्व सैनिकों का वेतन डीओपीटी के अनुसार तय करे। सहायक अपराधियों से वसूली रोकने का आदेश जारी क, वसूली केवल मुख्य अपराधी से हो। अन्य कार्यालयों के साथ कर्तव्यों का संयोजन आवंदित कर जीडीएस कर्मचारियों का उत्पीड़न बंद करें। जीडीएस कर्मचारियों को भी आठवें वेतन आयोग के दायरों में शामिल कर दिया जाय।ग्रुप समूह बीमा के रूप में 5

लाख रुपए और ग्रेजुटी सीमा को 5 लाख रुपए तक बढ़ाए, जीडीएस कर्मचारियों को 10 लाख रुपए तक का समूह चिकित्सा स्वास्थ्य बीमा योजना प्रदान करे। पोस्टमैन कर्मचारी को पोस्टमैन बीट कर्तव्य का संयोजन बंद करें। रिक्त पोस्टमैन पद पर जीडीएस कर्मचारियों से भरे। अधिकारियों ककको आवंटित सभी सरकारी क्वाटर को तत्काल मरम्मत कराई जाए। भूतपूर्व सैनिकों, महिला कर्मचारी और खिलाड़ी के लिए नियम 38के स्थानांतरण में विशेष छूट दी जाय। सभी डाकघरों में महिला शौचालय और पुरुष शौचालय की विशेष व्यवस्था सहित अन्य मांगे मांगी गई है।
आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रधान डाकघर के डाकपाल मनोज कुमार, डाक सहायक रविशंकर राय, शंभू दत्ता सिंह, त्रिदेव प्रियदर्शी, दीपक कुमार पटेल,विजय कुमार पांडे,राजकपूर कुमार, राकेश कुमार, विकाश कुमार राय, संतोष कुमार, प्रिया वर्णवाल, अविनाश कुमार, कुंदन कुमार,रिमझिम कुमारी, चंदन कुमार महतो, आदर्श अनिकेत, सौरव कुमार, अमन कुमार, रणजीत रजवार, शुभम सौरव, प्रशान्त कुमार सिंह, गंभीर करमाली, शुभम कुमार राम, संतोष कुमार मुंडा,मनोहर महतो , अरुण कुमार, अर्जलाल महतो, अभिषेक कुमार, अरविंद कुमार समेत, पोस्टमैन , ग्रामीण डाक सेवक सहित जिले के अन्य डाक डाकघरों के भारतीय डाक कर्मचारी महासंघ द्वारा जारी 41 सूत्री मांगों के समर्थन में शामिल हुए।

गुमला में शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न, शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार पर दिया गया विशेष जोर

संवाददाता

गुमला : गुमला उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देश के आलोक में आज सोमवार को समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो की अध्यक्षता में जिले के शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी कविता खलखो एवं जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम खां सहित विभिन्न प्रखंडों के शिक्षा पदाधिकारी उपस्थित रहे।
बैठक में जिले में विद्यालयों में पाठ्यपुस्तक, नोटबुक एवं स्कूल बैग वितरण की स्थिति की समीक्षा की गई। उप विकास आयुक्त ने निर्देशित किया कि किसी भी विद्यालय में शैक्षणिक सामग्री वितरण की प्रक्रिया अधूरी न रहे, एवं यदि किसी विद्यालय में अवशेष सामग्री हो, तो उसे आवश्यकता अनुसार अन्य प्रखंडों में हस्तांतरित कर उपयोग में लाया जाए।
पिछले वर्ष की मैट्रिक परीक्षा के परिणाम के आधार पर उप विकास आयुक्त ने कार्ययोजना तैयार कर सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। विशेषकर गणित, विज्ञान और अंग्रेजी जैसे विषयों पर फोकस करते हुए निचली कक्षाओं से ही लर्निंग गैप कम करने के लिए ठोस एवं व्यावहारिक कदम उठाने की आवश्यकता बताई गई।
उच्च विद्यालयों में शिक्षकों की अनुपलब्धता एवं प्रतिनियोजन के कारण

शैक्षणिक कार्यों में हो रही बाधा पर चिंता जताते हुए ऐसे विद्यालयों की सूची तत्काल प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में नामांकन वृद्धि, ड्रॉपआउट रोकथाम हेतु विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम, असैनिक निर्माण कार्यों की प्रगति, यू-डायस डाटा का अद्यतन, व्यावसायिक शिक्षा की कक्षाओं का प्रभावी संचालन, विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन एवं सीआरपी - बीआरपी द्वारा विद्यालयों के अनुश्रवण की नियमितता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।
बैठक में यह जानकारी दी गई कि जिले के लगभग 85% शिक्षक ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं, जबकि चैनपुर, डुमरी, जारी जैसे प्रखंडों में अनुपालन कम है। इस पर डीडीसी द्वारा ऑनलाइन उपस्थिति न बनाने वाले शिक्षकों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया गया।
राज्यस्तरीय प्रशिक्षण को अब तक पूर्ण नहीं करने वाले शिक्षकों से भी स्पष्टीकरण लेने का आदेश दिया गया। इसके साथ ही 16 जुलाई से सभी प्रखंडों में बच्चों के बैंक खातों की एनपीसीआई मैपिंग पूर्ण करने हेतु बैंकों से समन्वय स्थापित करने एवं आवश्यकतानुसार सीआरपी - बीआरपी की प्रतिनियुक्ति करने के निर्देश दिए गए।
नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की समीक्षा में पाया गया कि गुमला जिला की प्रगति राज्य के अन्य जिलों की तुलना में काफी पीछे है। केवल 1500 असाक्षर व्यक्तियों की पहचान हुई है, जबकि पालकोट, घाघरा, सिसई जैसे प्रखंडों की स्थिति अत्यंत कमजोर है। इस पर डीडीसी ने सख्त निर्देश देते हुए जुलाई माह के अंत तक व्यापक पहचान एवं साक्षरता केंद्रों के संचालन हेतु शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कराने को कहा, साथ ही अगली बैठक तक प्रगति नहीं दिखाने वाले संकुल, प्रखंड एवं विद्यालयों पर जवाबदेही तय कर कार्रवाई की चेतावनी दी।
प्रोजेक्ट इंपैक्ट के अंतर्गत विद्यालयों में शैक्षणिक वातावरण बेहतर बनाने एवं मासिक रियल टेस्ट की स्थिति की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि केवल 10% विद्यालयों ने ही मूल्यांकन उपरांत प्राप्तांक की ऑनलाइन एंट्री की है। डीडीसी ने एक सप्ताह के भीतर सभी विद्यालयों से 100% डेटा इंट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
बैठक में क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी, जिला परियोजना कार्यालय के सहायक अभियंता, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी, फील्ड मैनेजर, स्टेनोग्राफर, सभी प्रखंडों के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी तथा कनीय अभियंता उपस्थित रहे।